जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
चूरू
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, शनिवार 10 जनवरी, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान पुलिस
सुदृढ़ीकरण, सेवा और सुरक्षा के नए अध्याय का सूत्रपात

कॉनिस्टेबल नव नियुक्ति समारोह

राजस्थान पुलिस में नव-चयनित 10,000 कॉनिस्टेबल को नियुक्ति पत्रों का वितरण

मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

गरिमामयी उपस्थिति
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

विगत दो वर्ष-राजस्थान पुलिस-आपकी सुरक्षा-हमारा संकल्प

- एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, वर्ष 2023 की तुलना में नवम्बर 2025 तक फायर आर्म्स के उपयोग के प्रकरणों में 36.03 प्रतिशत की कमी
- एसआईटी का गठन, गत 2 वर्षों में किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में पेपर लीक की घटना नहीं
- संकट में त्वरित सहायता के लिए 1 हजार पुलिस मोबाइल यूनिट्स/प्रथम परिवादी वाहन तैनात
- अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन
- साइबर क्राइम पर नियंत्रण हेतु 27 साइबर हेल्पलाइन एवं प्रत्येक जिले में साइबर थाने का संचालन
- अपराधों में वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2025 में 14.13 प्रतिशत की कमी
- महिला अत्याचार में वर्ष 2023 की तुलना वर्ष 2025 में 9.94 प्रतिशत की कमी
- दुष्कर्म प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय वर्ष 2023 में 106 से घटकर वर्ष 2025 में 56 दिवस
- पोक्सो एक्ट के प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय वर्ष 2023 में 102 से घटकर वर्ष 2025 में 59 दिवस
- एसटी/एससी अत्याचारों में वर्ष 2023 की तुलना वर्ष 2025 में 28.29 प्रतिशत की कमी

10 जनवरी, 2026 | दोपहर 1:30 बजे | राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

पुलिस विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

हमेशा याद रखिए कि सफलता के लिए किया गया आपका अपना संकल्प किसी भी और संकल्प से ज्यादा महत्व रखता है। –अब्राहम लिंकन

नई नीतियां, नया दौर : राजस्थान का युवा और बदलती सरकारी सोच

राजस्थान सरकार ने हाल के वर्षों में जिस दृढ़ संकल्प और दूरदृष्टि के साथ युवा सशक्तिकरण की नीतियाँ तैयार की हैं, वह न केवल राज्य के भविष्य को मजबूत करने वाली है, बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल प्रस्तुत कर रही है। नई सरकार ने सत्ता संभालते ही युवाओं की बेरोजगारी, कौशल अभाव और सीमित अवसरों जैसी चुनौतियों को प्राथमिकता दी और ठोस कदम उठाए, जो यह सिद्ध करते हैं कि युवा राज्य की प्राथमिक पूँजी हैं। रोजगार नीति 2025, कौशल विकास नीति 2025 और युवा नीति जैसे व्यापक दस्तावेज़ों के माध्यम से सरकार ने शिक्षा से रोजगार तक की पूरी श्रृंखला को एकीकृत कर दिया है, जिससे लाखों युवाओं के सपनों को पंख लगने लगे हैं।

राजस्थान सरकार की सोच में मूलभूत परिवर्तन आया है, जहाँ युवा को अब केवल नौकरी का इंतजार करने वाला नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर उद्यमी, नवाचारी और सामाजिक परिवर्तनकर्ता के रूप में देखा जा रहा है। पहले की नीतियाँ अक्सर विभागों तक सीमित रहती थीं, लेकिन अब समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए शिक्षा, उद्योग, स्टार्टअप और सामाजिक विकास को जोड़ा गया है। सरकार ने स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए हैं पाँच वर्षों में 10 लाख नई नौकरियाँ सृजित करना, 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना और स्टार्टअप इकोसिस्टम को दोगुना करना जो न केवल घोषणाएँ हैं, बल्कि बजट प्रावधानों और क्रियान्वयन तंत्र के साथ बँधे हुए हैं। यह बदलाव सराहनीय है क्योंकि यह युवा आबादी को बोझ से पूँजी में बदलने की रणनीति है।

कौशल विकास के क्षेत्र में राजस्थान सरकार के प्रयास प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी हैं। कौशल विकास नीति 2025 के तहत 500 से अधिक नए स्किल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ एआई, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी, सोलर एनर्जी और डिजिटल मार्केटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों पर फोकस है। सरकार ने उद्योग भागीदारों के साथ 200 से अधिक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन किए हैं, जिससे प्रशिक्षण 80 प्रतिशत प्लेसमेंट से जुड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल स्किल वैन और महिलाओं के लिए विशेष बैच चलाए जा रहे हैं, जो सामाजिक समावेश को सुनिश्चित करते हैं। हाल ही में आयोजित क्षेत्रीय एआई प्रभाव सम्मेलन में एक लाख युवाओं को एआई प्रशिक्षण देने का ऐलान सराहनीय है, जो राजस्थान को डिजिटल अर्थव्यवस्था का हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर है।

राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, लोक कलाएँ, लोकसाहित्य और इतिहास भी युवाओं के लिए प्रेरणा और आत्मसम्मान का स्रोत बन सकते हैं। यदि नीतियाँ इस बात का ध्यान रखें कि युवा केवल आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि सांस्कृतिक वाहक भी है, तो उसे अपने प्रदेश और परंपरा से जुडने के ज्यादा अवसर मिलेंगे। विरासत पर्यटन, लोककला आधारित उद्यम, ग्रामीण और रेगिस्तानी क्षेत्रों में सांस्कृतिक इको पर्यटन जैसी अवधारणाएँ युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार, उद्यम और गौरव, तीनों दे सकती हैं। इससे पलायन कम हो सकता है और गाँव-कस्बों में भी नई आर्थिक ऊर्जा का संचार हो सकता है।

> **कौशल विकास के क्षेत्र में राजस्थान सरकार के प्रयास प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी हैं। राजस्थान सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से युवा शक्ति को सही दिशा दी जा सकती है। ये नीतियाँ न केवल राजस्थान को समृद्ध बना रही हैं, बल्कि युवाओं को वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बना रही हैं।**

रोजगार सृजन में सरकार की दोहरी रणनीति अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। एक ओर 1.5 लाख सरकारी रिक्तियों को भरने के लिए तेज भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसमें ऑनलाइन आवेदन, पारदर्शी परीक्षा और त्वरित परिणाम सुनिश्चित किए गए हैं। दूसरी ओर, रोजगार नीति 2025 के तहत निवेश आकर्षित करने से 5 लाख निजी क्षेत्र की नौकरियाँ सृजित होने का लक्ष्य है, जिसमें स्थानीय युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित है। युवा मित्र योजना का पुनरुद्धार 21 हजार युवाओं को सामुदायिक स्तर पर कार्यरत करने के लिए किया गया, जो ठामीण विकास में उनकी भूमिका बढ़ाता है। ये कदम न केवल बेरोजगारी दर घटाने में सहायक हैं, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास का संचार भी कर रहे हैं।

स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने में राजस्थान सरकार अग्रणी भूमिका निभा रही है। स्टार्टअप फंड में 500 करोड़ का प्रावधान, इनक्यूबेशन सेंटर्स का विस्तार और आई-स्टार्ट जैसे कार्यक्रमों से 10 हजार नए स्टार्टअप उभर रहे हैं। विशेष रूप से एमएसएमई और ठामीण उद्यमों के लिए सस्ते ऋण, टैक्स छूट और मार्केट लिंकेज प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं और पिछड़े वर्गों के युवा उद्यमी बन रहे हैं। सरकार का वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट दृष्टिकोण लोककला, हस्तशिल्प और कृषि-आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा दे रहा है, जो राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक शक्ति में बदल रहा है।

सामाजिक और नैतिक विकास के प्रति सरकार की संवेदनशीलता भी उल्लेखनीय है। नशामुक्ति के लिए 100 नए केंद्र, विश्वविद्यालयों में नई किरण कार्यक्रम और युवा महोत्सवों के माध्यम से लाखों युवाओं को सकारात्मक दिशा दी जा रही है। खेलो इंडिया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान योजनाओं से युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित हो रही है। पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन में युवा स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाकर सरकार उन्हें जिम्मेदार नागरिक बना रही है।

डिजिटल शासन में राजस्थान सरकार का योगदान प्रशंसनीय है। एकीकृत पोर्टल के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुँच रहा है, जिससे भ्रष्टाचार कम हुआ है और पारदर्शिता बढ़ी है। ग्रामीण इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल साक्षरता अभियान से दूरस्थ युवा भी मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

सरकार की ये नीतियाँ क्रियान्वयन स्तर पर भी मजबूत हैं। समयबद्ध मॉनिटरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट और फीडबैक तंत्र से सुधार निरंतर हो रहे हैं। चुनौतियाँ स्वाभाविक हैं, लेकिन सरकार का सक्रिय दृष्टिकोण जैसे भर्ती में सुधार और प्लेसमेंट कैंप समस्याओं का समाधान दर्शाता है।

राजस्थान सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से युवा शक्ति को सही दिशा दी जा सकती है। ये नीतियाँ न केवल राजस्थान को समृद्ध बना रही हैं, बल्कि युवाओं को वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बना रही हैं। युवाओं को अब सरकार के इस समर्थन पर भरोसा कर आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि नया दौर और नई नीतियाँ उनके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी हैं।

आख़िरकार, नई नीतियाँ और नया दौर तभी सार्थक होंगे जब वे केवल हुकूमत की भाषा न रहकर जनजीवन का अनुभव बन जाएँ। राजस्थान का युवा यदि अपने भीतर आत्मविश्वास, जिज्ञासा, संवेदनशीलता और साहस को जगाए, और सरकार यदि ईमानदारी, पारदर्शिता और दूरदृष्टि के साथ उसके साथ खड़ी रहे, तो यह साझेदारी राज्य को नए सामाजिकआर्थिक संस्कार की दिशा में ले जा सकती है। बदलती सरकारी सोच और जागरूक, सक्रिय, रचनात्मक युवा-इन दोनों की संयुक्त ऊर्जा ही राजस्थान के भविष्य की असली पूँजी है। यहाँ से आगे का रास्ता न केवल नीतियों की गुणवत्ता से तय होगा, बल्कि इस बात से भी कि युवा और व्यवस्था मिलकर कितनी गहराई से एकदूसरे पर भरोसा कर पाते हैं।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

रेत, रिस्क और रिस्पॉन्स: राजस्थान की महिलाएं क्लाइमेट फ्रंटलाइन पर

मणिमाला शर्मा

थार की तपिश में भी महिलाएं हार नहीं मानती हैं। गर्म हवाओं और सूखे के बीच वे उम्मीद और समाधान की नई उड़ान भर रहीं हैं। राजस्थान का रेगिस्तान हमेशा से कठोर रहा है। तेज़ धूप, कम बारिश और लगातार बदलते मौसम ने यहां की जिंदगी को चुनौतीपूर्ण बनाया है। पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश असंगठित हो गई है, गर्मी की अवधि लंबी और तीव्र हो गई है और पारंपरिक आजीविकाएं अब अनिश्चित हो चुकी हैं। इन बदलावों का सबसे पहला और गहरा असर सीधे-सीधे ग्रामीण महिलाओं पर पड़ता है, क्योंकि पानी, ईंधन, खाना और परिवार की जिम्मेदारियों का बोझ सबसे अधिक उनके कंधों पर होता है। लेकिन यही महिलाएं अब थार के बदलते मौसम की सिर्फ पीड़ित नहीं रहीं हैं। वे अब इन परिस्थितियों से जूझकर अपने जीवन में समाधान का हिस्सा बन रही हैं। राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में महिलाएं सौर ऊर्जा, पारंपरिक टिकाऊ आजीविकाओं और स्थानीय नेतृत्व के माध्यम से जलवायु अनुकूल बदलाव ला रही हैं। उनकी कहानी बताती है कि चुनौती जितनी बड़ी हो, उम्मीद और हिम्मत उससे कहीं ज्यादा मजबूत हो सकती है।

राजस्थान में बढ़ता तापमान अब केवल मौसम की खबर नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट बन चुका है। पिछले दशकों में राज्य के कई हिस्सों में औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान लगातार बढ़ा है। गर्मी अब मार्च से शुरू होकर सितंबर तक खिंच जाती है। हीटवेव के दिनों में खेतों में काम करना मुश्किल हो जाता है, स्कूलों में उपस्थिति घटती है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं।

महिलाओं पर इसका सबसे गहरा असर पड़ता है। खेतों, पशुपालन और घरेलू काम को वे तेज़ गर्मी में भी संभाल लेती हैं। लेकिन इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है, लड़कियों का स्कूल ड्रॉपआउट बढ़ता है और घर में बढ़ते काम के साथ उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसी वजह से स्थानीय, जलवायु अनुकूल आजीविकाएं जैसे सौर ऊर्जा, हथकरघा, ऊंट पालन आदि कार्य महिलाओं के लिए सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन गए हैं। यहाँ हम ऐसी ही कुछ महिलाओं की कहानी जानेंगे जिन्होंने राजस्थान में जलवायु परिवर्तन को धत्ता बताते हुए अपनी आजीविका का नया ज़रिया तैयार किया है।

1. सोलर मामा – अजमेर जिले के तिलोनिया गांव की सोलर मामा महिलाएं जलवायु समाधान की सबसे जीवंत मिसाल हैं। पहले केरोसिन लालटेन और डीज़ल जनरेटर आम थे, लेकिन अब ये महिलाएं सौर ऊर्जा सिस्टम लगाकर गांव को रोशन कर रही हैं। वे न सिर्फ बिजली पहुंचाती हैं, बल्कि सिस्टम की मरम्मत भी करती हैं। इससे कार्बन उत्सर्जन कम होता है, आय स्थिर होती है और महिलाओं का सामाजिक सम्मान बढ़ता है।

2. हथकरघा– उदयपुर और आसपास के आदिवासी इलाकों में हथकरघा सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि जलवायु के अनुकूल उत्पादन प्रणाली है। मशीनों और रासायनिक रंगों के बजाय हाथ से बुना कपड़ा और प्राकृतिक रंगाई कम पानी, कम बिजली और न्यूनतम प्रदूषण पर आधारित है। भील और मीणा समुदाय की महिलाएं अब अपने उत्पादों को शहरों तक सीधी पहुंच दे रही हैं।

3. ऊंट पालन– बाड़मेर के रेगिस्तानी इलाके में ऊंट सदियों से जलवायु के अनुकूल पशु रहा है। कम पानी में जीवित रहने वाला यह जानवर आज स्थायी आय का स्रोत बन गया है। स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाएं ऊंट के दूध को संगठित तरीके से बाजार तक पहुंचा रही हैं। इससे परिवार की आय नियमित हुई है और महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमता बढ़ी है।

4. पंचायत और पानी-- बाड़मेर और आसपास के जिलों में महिला सरपंच अब जल प्रबंधन को प्राथमिक मुद्दा बना रही हैं। पंचायत स्तर पर महिलाओं ने जल वितरण, टैंकर व्यवस्था और जागरूकता अभियान शुरू किए हैं।

जलवायु परिवर्तन के आंकड़े– राजस्थान जलवायु परिवर्तन की सबसे संवेदनशील राज्यों में है। पिछले 50 वर्षों में औसत तापमान लगभग 3.4 बढ़ा है। हीटवेव के दिन बढ़े हैं और मानसून असंगठित हो गया है। इससे सूखा प्रभावित जिलों की संख्या बढ़ी है और गांवों में महिलाओं को पानी लाने की दूरी पहले से लंबी हो गई है।

छोटे कदम, बड़ा असर– राजस्थान की ग्रामीण महिलाएं जलवायु संकट के बीच नए समाधान खोज रही हैं। सोलर लाइट, हथकरघा, ऊंट पालन, जल संरक्षण और पंचायत नेतृत्व जैसे प्रयास जीवन को टिकाऊ और सशक्त बना रहे हैं। चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं, लेकिन यह तय है कि राजस्थान की महिलाएं अब सिर्फ संघर्ष की कहानी नहीं, बल्कि समाधान और नेतृत्व की मिसाल बन रही हैं।

–मणिमाला शर्मा,
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करता है "बीकानेर ऊँट उत्सव"

ऊँटों को समर्पित "बीकानेर ऊँट उत्सव" परंपरा, कला व रोमांच का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है

अंजलिका पंवार

राजस्थान की संस्कृति और जनजीवन में ऊँट अभिन्न हिस्सा है। जब थार की सुनहरी रेत पर सजे-धजे ऊँटों की कतारें कदमताल करती हैं और लोक संगीत की थाप हवाओं में गूंज उठती है, तब बीकानेर एक जीवंत उत्सव में बदल जाता है। 'रेगिस्तान का जहाज़' कहे जाने वाले ऊँटों को समर्पित "बीकानेर ऊँट उत्सव" न केवल राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करता है, बल्कि परंपरा, कला और रोमांच का अद्भुत संगम भी प्रस्तुत करता है। यह तीन दिवसीय उत्सव देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को राजस्थान की आत्मा से जोड़ने का अवसर देता है। "बीकानेर ऊँट उत्सव" 'रेगिस्तान के जहाज़' कहे जाने वाले ऊँटों को समर्पित एक वार्षिक उत्सव है, जो राजस्थान की सतह से जुड़ी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है।

"बीकानेर ऊँट उत्सव" का आगाज़ कुछ इस तरह होगा :-पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह महोत्सव वर्ष 2026 में 9 जनवरी से 11 जनवरी तक बीकानेर, राजस्थान में आयोजित हो रहा है। महोत्सव की शुरुआत ऐतिहासिक जूनागढ़ किले से निकलने वाली सजे-धजे ऊँटों की भव्य शोभायात्रा से होगी, जो बीकानेर की मुख्य सड़कों से गुजरते हुए डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में संपन्न होगी, जहाँ पारंपरिक आभूषणों और रंगीन वस्त्रों से सजे ऊँट तथा रंग-बिरंगे परिधानों में सजे उनके ऊँटपालक आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

ये रहेंगी "बीकानेर ऊँट उत्सव" में मुख्य गतिविधियां :-"बीकानेर ऊँट उत्सव" में ऐसी कई गतिविधियां हैं जो कि आपका ध्यानाकर्षण का केंद्र रहेंगी। महोत्सव के दौरान ऊँट दौड़, ऊँट नृत्य प्रदर्शन, ऊँट सजावट एवं फर कटिंग प्रतियोगिता, ऊँट दुहाई (दूध निकालने की पारंपरिक विधि) तथा ऊँट करतब जैसी गतिविधियाँ ऊँटों के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करेंगी। इसके साथ ही, पारंपरिक राजस्थानी लोक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियाँ होंगी, हस्तशिल्प बाजार में स्थानीय उत्पाद उपलब्ध होंगे और फूड कोर्ट में प्रामाणिक राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकेगा।

आयोजन स्थलों की जानकारी :- महोत्सव के प्रमुख आयोजन स्थल जूनागढ़ किला, करणी सिंह स्टेडियम, कैमल फार्म, रायसर सैंड ड्यून्स तथा बीकानेर का पुराना शहर हैं, सभी कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित होंगे और प्रवेश सभी के लिए निःशुल्क रहेगा। आगंतुकों की सुविधा हेतु निकटतम हवाई अड्डा नाल है, जो बीकानेर से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित है, जबकि बीकानेर रेलवे स्टेशन शहर के केंद्र से मात्र 1 किलोमीटर की दूरी पर है। अधिक जानकारी के लिए पर्यटक टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर, बीकानेर से फोन नंबर 0151-2226701 पर या ईमेल के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। यह महोत्सव राजस्थान की सांस्कृतिक समृद्धि और ऊँटों की ऐतिहासिक भूमिका को करीब से अनुभव करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

अंजलिका पंवार,
एपीआरओ, डीआईपीआर

वंदे मातरम् और गणतंत्र का नैतिक धरातल

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

वन्दे मातरम् केवल अतीत का गौरवगान नहीं, बल्कि हमारे गणतंत्र का नैतिक भविष्य है। आज जब राष्ट्रवाद अक्सर नारों और प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाता है, तब यह पंक्तियां हमें याद दिलाती है कि मातृभूमि की वास्तविक वंदना सदनों की मर्यादा, नागरिक कत्तव्यों के पालन और आचरण की शुचिता में निहित है। डेढ़ शताब्दी की इस चेतना को 'उद्घोष' से 'किरदार' में बदलने का समय आ गया है।

भारतीय इतिहास के दीर्घ और बहुआयामी फलक पर कुछ शब्द ऐसे हैं जो केवल भाषा की संरचना नहीं रचते, बल्कि समय के साथ राष्ट्र की धड़कन में परिवर्तित हो जाते हैं। 'वन्दे मातरम्' ऐसा ही एक महामंत्र है, एक ऐसा उद्घोष है जिसने गत डेढ़ सौ वर्षों से भारत की सामूहिक चेतना को आलोकित, आंदोलित और दिशा प्रदान की है।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, सन् 1870 के दशक में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के अंतर्मन से उपजा यह गीत किसी औपचारिक काव्य के प्रयास का परिणाम नहीं था। यह उस सुप्त राष्ट्रीय चेतना का ओजस्वी स्वर था, जो औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों में जकड़े भारत को अपनी आत्मा को पहचानने का साहस दे रहा था। 1882 में प्रकाशित उनके उपन्यास आनंदमठ में समाहित यह गीत आगे चलकर केवल साहित्य नहीं रहा,यह स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा बन गया। वर्ष 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में जब पहली बार इसे सार्वजनिक मंच पर गाया गया, तब से लेकर 26 जनवरी, 1950 को संविधान के लागू होने तक, और उसके बाद भी, वन्दे मातरम् निरंतर भारत के आत्म-संवाद का केन्द्रीय सूत्र बना रहा। गणतंत्र दिवस के इस गौरवमयी अवसर पर यह गीत हमें स्मरण कराता है कि हमारा संविधान और हमारा राष्ट्रवाद किसी शून्य से साकार हुआ विचार नहीं है, बल्कि इसके पीछे डेढ़ शताब्दी का त्याग, तपस्या, संघर्ष और निरंतर चला आ रहा नैतिक मंथन निहित है।

संघर्ष से संविधान तक : पिछले 150 वर्षों में भारत का राजनीतिक मानचित्र ही नहीं शासन-प्रणालियाँ भी बदली हैं, लेकिन वन्दे मातरम् के अर्थ की गहराई और उसकी गरिमा आज भी अक्षुण्ण है। यह गीत उस कालखंड के दौरान आया जब 'भारत' एक सुसंगठित राष्ट्र नहीं, बल्कि औपनिवेशिक शोषण के अधीन बिखरी हुई इकाइयों का एक समूह था। इस गीत की सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूमिका यह रही कि इसने एक भौगोलिक भूखंड को माता के रूप में प्रतिष्ठित किया। स्वाधीनता संग्राम के दौर में यह गीत फाँसी के फंदों पर झूलते क्रांतिकारियों का अमर उद्घोष बना। आज के संदर्भ में, वन्दे मातरम् का अर्थ केवल भारत माता की वंदना तक सीमित नहीं है, बल्कि उन संवैधानिक मूल्यों- न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्वकी सतत रक्षा का संकल्प है, जो हमारे संविधान की आत्मा है। विचारणीय है कि क्या वन्दे मातरम् का गायन मात्र एक औपचारिक रस्म बनकर रह गया है? जब हम सदनों के भीतर हमारे माननीयों के अशोभनीय आचरण, निरंतर शोर-शराबा, तख्तियां दिखाने और नारेबाजी के साथ सदन के 'वेल' में आकर कार्यवाही बाधित करने जैसे दृश्य देखते हैं, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या ये हमारे वही प्रतिनिधि हैं, जो कुछ ही समय पूर्व राष्ट्रगीत के सम्मान में खड़े थे?

वन्दे मातरम् हमें अनुशासन, मर्यादा और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च निष्ठा की शिक्षा देता है। सदनों के भीतर होने वाला अमर्यादित व्यवहार न केवल लोकतंत्र की गरिमा को धूमिल करता है, बल्कि उस महामंत्र की मूल भावना का भी तिरस्कार करता है, जिसे गाते हुए हमारे पूर्वजों ने लाठियाँ खाईं और कारावास स्वीकार किया। यदि नीतिगत विमर्श के स्थान पर वैयक्तिक आक्षेप और विखंडन की राजनीति हावी होगी, तो वन्दे मातरम् का उद्घोष अपनी नैतिक साख खोने लगेगा। जनप्रतिनिधियों का आचरण ही वास्तव में संविधान की शुचिता का वास्तविक मानक है।

राजस्थान : जहाँ शौर्य ही वंदन है : जब वन्दे मातरम् के स्वर अरावली की पर्वत-श्रृंखलाओं से साक्षात करते हैं, तो उनकी गूँज और अधिक गहरी हो जाती है। वीर प्रसविनी राजस्थान वह भूमि है, जिसने इस गीत के रचे जाने से सदियों पूर्व ही मातृभूमि की वंदना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लिया था। यहाँ राष्ट्रभक्ति कोई आयातित विचार नहीं, बल्कि माटी का स्वभाव है। चित्तौड़गढ़ के किले की प्राचीरें और हल्दीघाटी की माटी साक्षी हैं कि यहाँ के योद्धाओं ने सत्ता के आगे झुकने के बजाय घास की रोटियाँ खाना स्वीकार किया।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का संघर्ष वस्तुतः वन्दे मातरम् की उसी भावना का मूर्त रूप है, जिसमें मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए सर्वस्व समर्पित कर दिया जाता है। राजस्थान ने इतिहास के हर मोड़ पर यह सिद्ध किया है कि स्वाभिमान से बड़ा कोई संविधान नहीं होता। गणतंत्र दिवस पर राजस्थान का प्रत्येक दुर्ग हमें यह स्मरण कराता है कि स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं थी यह डेढ़ शताब्दी तक रक्त और पसीने से सींची गई साधना का परिणाम है।

'सुजलां, सुफलां' और मरुधरा का जल-दर्शन : राष्ट्रीय गीत में प्रयुक्त 'सुजलां, सुफलां, मलयज शीतलां' के शब्द राजस्थान के संदर्भ में विशेष अर्थ ग्रहण कर लेते हैं। जहाँ जल दुर्लभ है, वहाँ 'सुजलां' होने की आकांक्षा केवल काव्यात्मक कल्पना नहीं, बल्कि कठोर तपस्या है। बिश्नोई समाज और खेजड़ली का बलिदान यह सिखाता है कि मातृभूमि की रक्षा केवल सीमाओं की नहीं, बल्कि उसके नैसर्गिक स्वरूप की रक्षा भी है।

नारों से आगे आचरण की कसौटी : डेढ़ शताब्दी की इस लम्बी यात्रा में राष्ट्रवाद की परिभाषा और उसके स्वरूप में कई बदलाव आए हैं। आज के समय में, राष्ट्रप्रेम कई बार केवल प्रतीकों, प्रदर्शन और ऊँचे नारों की प्रदर्शनप्रियता तक सीमित होता प्रतीत होता है। गणतंत्र दिवस केवल एक वार्षिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का विशेष अवसर है जहाँ हमें स्वयं से पूछना होगा कि क्या हमने वन्दे मातरम् को केवल एक औपचारिक गान या भावनात्मक उद्घोष बनाकर तो नहीं छोड़ दिया?

आज के जटिल वैश्विक परिवेश में, संवैधानिक शुचिता और नैतिक निष्ठा ही वास्तविक वन्दे मातरम् है। एक जीवंत गणतंत्र का वास्तविक अर्थ केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं, बल्कि दूसरों के अधिकारों के प्रति सहज सम्मान और अपने कत्तव्यों के प्रति अटूट सजगता है। जब एक नागरिक अपने कार्यस्थल पर ईमानदारी अपनाता है, जब एक जनप्रतिनिधि सदन की मर्यादा की रक्षा करता है और जब समाज का सक्षम वर्ग वंचितों के प्रति संवेदनशील होता है तभी वह सही अर्थों में इस मातृभूमि की वंदना कर रहा होता है। हमें यह समझना होगा कि राष्ट्र के प्रति हमारी भक्ति नारों की गूँज में नहीं, बल्कि हमारे चरित्र की शुद्धता और हमारे नागरिक आचरण की कसौटी पर जाँची जाएगी।

मंत्र से मर्यादा तक : वन्दे मातरम् अतीत का गौरवगान नहीं, भविष्य का मार्गदर्शक है। यह हमें सिखाता है कि राष्ट्र कोई भूमि का टुकड़ा नहीं, बल्कि वहाँ रहने वाले लोगों का आपसी विश्वास है। इस गणतंत्र दिवस पर सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम इस गीत को अपने आचरण में उतारेंगे। विशेष रूप से जनप्रतिनिधियों के लिए यह अनिवार्य है कि सदनों में उनका व्यवहार उसी मर्यादा का प्रतीक बने, जिसकी प्रतिध्वनि वन्दे मातरम् में सुनाई देती है। जिस दिन हमारा आचरण हमारे उद्घोष के समान पवित्र होगा, अधिकारों से अधिक कत्तव्यों की चिंता होगी, और मरुधरा की माटी का प्रत्येक कण भ्रष्टाचार व भेदभाव से मुक्त होगा उसी दिन वन्दे मातरम् का स्वप्न पूर्णतः साकार होगा। आइए, इस गणतंत्र दिवस पर संकल्प लें कि हम इस डेढ़ शताब्दी पुराने मंत्र की गरिमा को अपने श्रम, अपनी संसदीय शुचिता और अपने नागरिक चरित्र से और ऊँचाई प्रदान करेंगे। जय हिन्द! जय राजस्थान!

- डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी,
राजस्थान विधानसभा, जयपुर,

राशिफल

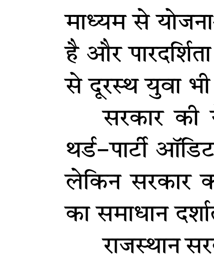

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 10 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र दिन 3:40 तक, अतिगंड योग सायं 4:58 तक, बव करण प्रातः 8:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 4:53 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 3:40 तक रहेगा। आज सप्तमी तिथि में वृद्धि हुई है। आज कालाष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:40 से 9:58 तक, चर 12:34 से 1:52 तक, लाभ-अमृत 1: से 4:24 तक।

राहुकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:47

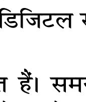

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

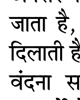

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

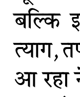

मिथुन
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

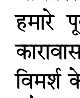

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

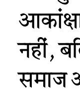

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

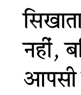

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है।

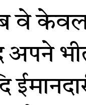

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

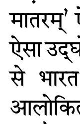

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा।

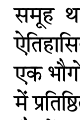

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

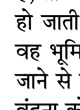

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

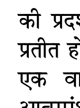

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

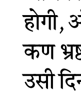

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-सम्मनय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 254 प्रभात चूरू, शनिवार 10 जनवरी, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

प्रियंका ने पायलट को केरल का मुख्य पर्यवेक्षक काफी सोच समझकर बनवाया है

सोच है कि केरल में के.सी. वेणुगोपाल की दादागिरी से अनावश्यक हानि न हो विधानसभा चुनाव में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। प्रियंका गांधी असम में भाजपा के ताकतवर नेता और मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा से मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

असम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष बनने के बाद, प्रियंका गांधी अब कुछ राज्यों में चुनावी नैरेटिव (विषय वस्तु) पर नियंत्रण करने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं, साथ ही उन्होंने कुछ नेताओं को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त कर चुनावों और कांग्रेस नेताओं पर निगरानी रखने का भी फैसला किया है। इनमें से कई नेता चुनावों के दौरान दोगला खेल खेलते रहे हैं।

गांधी परिवार के मित्र भंवर जितेन्द्र सिंह का उदाहरण लीजिए, जो असम के प्रभारी हैं। पिछली बार जब वे असम के प्रभारी थे, तब पार्टी बुरी तरह हार गई थी। अब उन्हें फिर से असम का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जहां पार्टी सत्ता में वापसी के लिए संघर्ष कर रही है।

- **पायलट, प्रियंका गांधी को रिपोर्ट करेंगे तथा अगर सभी नेताओं को समुचित मौका नहीं मिल रहा होगा तो यह बात भी प्रियंका गांधी तक पायलट ही पहुंचायेंगे।**
- **इसी प्रकार प्रियंका, भूपेश बघेल और डी.के. शिवकुमार को भी पर्यवेक्षक के रूप में असम ले गई हैं। यह दोनों भारी नेता हैं और असम में कांग्रेस नेताओं की आपसी फूट व कांग्रेस की रणनीति संबंधित खबरें ''लीक'' करने की प्रवृत्ति पर भी कुछ नियंत्रण तो लगेगा।**
- **साथ ही, दोनों नेता, डी.के. शिवकुमार व भूपेश बघेल की चुनाव अभियान में सक्रिय भूमिका रहने से, चुनाव खर्च के लिए पर्यात धन व साधन उपलब्ध कराये जा सकेंगे।**
- **अगर, कांग्रेस असम चुनाव जीत जाती है तो प्रियंका की राजनीति में चमक तो आएगी ही, राजस्थान की राजनीति पर भी काफी प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि वेणुगोपाल राजस्थान में गहलोत, डोटासरा व रंधावा को पनपाना चाहते थे, उनका पक्ष लेते हैं तथा पायलट को रोकना चाहते हैं।**

दिलचस्प बात यह है कि भंवर जितेन्द्र सिंह और उनकी टीम के बारे में रिपोर्ट्स बहुत सकारात्मक नहीं हैं। पार्टी नेतृत्व तक यह खबर पहुंची है कि उनके एक सहयोगी ने टिकट देने के बदले पैसे लिए थे, जिससे कांग्रेस को काफी नुकसान हुआ। अब प्रियंका यह चाहती हैं कि टिकट वितरण पर उनका पूरा नियंत्रण हो।

इसके साथ ही, प्रियंका ने भूपेश बघेल और डीके शिवकुमार को असम के पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है, ताकि चुनावों के लिए जरूरी फंड्स में कोई समस्या न आए। हेमंत बिस्वा सरमा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस

(शेष पृष्ठ 5 पर)

हाई कोर्ट ने क्रिकेटर द्वारा दुष्कर्म के मामले में जाँच अधिकारी को तलब किया

जयपुर, 9 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में क्रिकेटर यश दयाल के खिलाफ जांच कर रहे अनुसंधान अधिकारी को 19 जनवरी को तलब किया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश यश दयाल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अग्रिम जमानत याचिका में कहा गया कि पीड़िता घटना साल 2023 में कानपुर में होना बता रही है, जबकि

- **अदालत में क्रिकेटर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 19 जनवरी को।**

मामला दो साल बाद जयपुर के सांगानेर थाने में दर्ज कराया है। इसके अलावा, पीड़िता ने अपने बयान में कहा है कि घटना के समय वह नाबालिग थी और उसने अपने रिश्तेदार की आईडी से होटल में कमरा बुक कराया था। इसके बावजूद, पुलिस ने उस रिश्तेदार से कोई पूछताछ नहीं की है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता पीड़िता से हमेशा सार्वजनिक जगह पर टीम के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में मिला था। यदि पीड़िता के साथ कानपुर में दुष्कर्म हुआ तो उसके बाद वह याचिकाकर्ता के साथ

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्या केन्द्र सरकार हिम्मत दिखाएगी, ममता बनर्जी के खिलाफ कार्यवाही करके?

ममता बनर्जी ने अपराध तो किया है, कल गुरुवार को ईडी की रेड के दौरान सबूत के कागज़ात व कम्प्यूटर आदि इलैक्ट्रॉनिक उपकरण पुलिस की मदद से उठाकर ले जाकर

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। ममता बनर्जी पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने उस जगह से सबूत और आपत्तिजनक सामग्री चुराई, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) की टीम अवैध कोयला खनन, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के लीज क्षेत्र से कोयले की चोरी और उससे मिले पैसों को हवाला के जरिए घुमाने के मामले की जांच के लिए सामग्री इकट्ठा कर रही थी।

सबूत चुराना और उन सामग्रियों, जिन्हें ई.डी. कोयला चोरों के खिलाफ अपने केस के लिए इकट्ठा करना चाह रहा था, को लेकर भाग जाना एक जघन्य अपराध था। इतना ही नहीं, ममता बनर्जी के गुर्गों ने उस अदालत कक्ष में भी भारी हंगामा किया, जहां ई.डी. राहत पाने के लिए पहुंचा था, जिससे सुनवाई स्थगित करनी पड़ी।

कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में ममता बनर्जी ने ऐसे काम किए हैं, जिनसे राज्य पूरी तरह अराजकता में चला गया है। कानून-व्यवस्था मानो खत्म हो चुकी है और पूरे

- **ममता बनर्जी ने, उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही हो, उससे पहले शुक्रवार को शहर में बड़ी रैली आयोजित की और प्रचार किया कि केन्द्रीय सरकार ईडी के मार्फत उस कंसल्टैंसी कंपनी पर रेड करके, उनकी पार्टी की चुनावी रणनीति संबंधी प्लान व आंकड़ें चोरी करवाना चाहती थी। अतः उन्होंने वे रणनीति संबंधी कागज़ात, कम्प्यूटर वहाँ से उठाकर अपने कब्जे में किए।**
- **ईडी ने ममता बनर्जी के अपराध के विरूद्ध न्यायालय में मुकदमा दर्ज करा, पर, ममता बनर्जी के बाहुबलियों ने न्यायालय में भारी भीड़ जमा कर ली तथा ईडी के वकीलों को न्यायालय में उपस्थित नहीं होने दिया।**
- **अतः मुकदमे की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकी और न्यायाधीश को आगे की तारीख देनी पड़ी।**
- **डर यह है कि जैसे-जैसे चुनाव नज़दीक आता जाएगा, केन्द्रीय सरकार व राज्य सरकार के बीच ऐसे बेतुके मामले और होते रहेंगे।**

(शेष पृष्ठ 5 पर)

आई पैक पर ईडी की रेड, ममता जी की प्रतिक्रिया पर मतभेद हैं कांग्रेस के नेताओं में

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और राज्य नेताओं की प्रतिक्रियाएं एकदम उलट हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) द्वारा इंडिया पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई पैक) के कार्यालय और आई पैक के सह-संस्थापक प्रतीक जैन के कोलकाता के लॉडन स्ट्रीट स्थित आवास पर एक साथ रेड और तलाशी ऑपरेशन को लेकर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रियाओं में मतभेद दिखाई दे रहा है।

इस मामले में कांग्रेस के वैचारिक मतभेद विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के एक राष्ट्रीय स्तर के नेता और एक राज्य स्तर के नेता की प्रतिक्रिया में स्पष्ट हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने आई पैक कार्यालय और उसके सह-संस्थापक प्रतीक जैन आवास पर ईडी की छापेमारी की आलोचना करते हुए एक बयान जारी किया।

- **वरिष्ठ कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी, जो सुप्रीम कोर्ट के नामचीन वकील भी हैं, ने आई पैक पर रेड करने की ईडी की कार्यवाही की कड़ी निंदा की और कहा कि ईडी अब राजनैतिक सलाहकारों पर भी रेड करने लगा है।**
- **ज्ञातव्य है कि अभिषेक मनु सिंघवी कई हाई प्रोफाइल मामलों में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में ममता बनर्जी की सरकार की पैरवी कर चुके हैं।**
- **इसके विपरीत पश्चिम बंगाल के पूर्व पीसीसी प्रमुख, 5 बार सांसद रहे अधीर रंजन चौधरी ने ईडी की कार्यवाही पर ममता जी की घबराहट पर निशाना साधा और कहा, इसमें जरूर कोई राज़ की बात है।**

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'कार्यकर्ता एनसीपी को एकजुट देखना चाहते हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने कहा है कि नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के कार्यकर्ता एक होना चाहते हैं और

- **एनसीपी के प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा, दोनों धड़ों के कार्यकर्ता एक होना चाहते हैं और अब पवार परिवार में भी तनाव खत्म हो गया है।**

पवार परिवार के भीतर सभी तनाव समाप्त हो गए हैं।

उन्होंने कहा, ''दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता एकजुट होना चाहते हैं। दोनों एनसीपी अब एकजुट हैं। हमारे परिवार

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'वर्ष 2025 में प्र.मंत्री मोदी और ट्रंप के बीच 8 बार फोन पर बात हुई'

विदेश मंत्रालय ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका का दावा झूठा है कि मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया इसलिए ट्रेड डील नहीं हुई

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जनवरी। विदेश मंत्रालय ने आज अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक के इस बयान का खंडन किया कि ''भारत-अमेरिका व्यापार समझौता इसलिए नहीं हो पाया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''2025 में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप ने आठ बार फोन पर बात की और कई मौकों पर दोनों देश समझौते के काफी करीब भी पहुंचे थे। इस बातचीत का जो वर्णन किया जा रहा है, और जो टिप्पणियां बताई जा रही हैं, वे सही नहीं हैं।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देश पिछले साल फरवरी से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और दोनों पक्षों ने ''एक संतुलित और दोनों के लिए लाभकारी व्यापार समझौता'' करने के लिए कई दौर की बातचीत की है। उन्होंने कहा कि भारत अब भी इस तरह के समझौते को अंतिम रूप देने में रुचि रखता है।

इसी बीच, भारतीय अधिकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इस दावे का खंडन किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें ''सर'' कहकर संबोधित किया था। अधिकारियों ने कहा कि मोदी वैश्विक नेताओं को संबोधित करते समय एक्सलैंसी, मिस्टर प्राइम मिनिस्टर या मिस्टर प्रेसिडेंट जैसे सम्मानसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन किसी के लिए भी ''सर'' शब्द का इस्तेमाल नहीं करते।

इससे पहले, अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने कहा था कि हालांकि अनुबंधों पर बातचीत हो चुकी थी और समझौते का ढांचा भी तैयार था, लेकिन उन्होंने यह भी कहा, ''साफ- साफ कहें तो यह उनका (ट्रंप का) सौदा है। वही इसे अंतिम रूप देंगे। सब कुछ तैयार था, लेकिन आपको मोदी से राष्ट्रपति को फोन करवाना था। वे (भारत) ऐसा

- **अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौता इसलिए नहीं हो सका, क्योंकि मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया था।**
- **विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गत वर्ष फरवरी से ही दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर वार्ता चल रही है और भारत अभी भी ट्रेड डील में रूचि रखता है।**
- **भारतीय अधिकारियों ने ट्रंप की इस बात का भी खंडन किया कि प्र.मंत्री मोदी उन्हें ''सर'' कहते हैं। अधिकारियों ने कहा कि मोदी विदेशी राष्ट्र प्रमुखों को ''हिज़ एक्सलैंसी, प्राइम मिनिस्टर या मिस्टर प्रैसिडैंट'' कहते हैं, सर नहीं।**

(शेष पृष्ठ 5 पर)

संसद का बजट सत्र 28 से, दो चरणों में होगा

नयी दिल्ली, 09 जनवरी। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा और दो अप्रैल तक चलेगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बजट सत्र दो चरणों में होगा। पहला चरण 28 जनवरी से 13

- **पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी और दूसरा 9 मार्च से 2 अप्रेल तक।**

फरवरी तक और दूसरा चरण नौ मार्च से दो अप्रैल तक होगा।

रिजिजू ने अपने पोस्ट में लिखा, ''केन्द्र सरकार की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बजट सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने की मंजूरी दी है।''

बजट सत्र के दौरान, पहले दिन दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'जोधपुर सेन्ट्रल जेल में न्यायिक हिरासत के दौरान मारे गये कैदी की जांच रिपोर्ट 15 दिन में पेश करें'

हाईकोर्ट ने यह कड़े आदेश देते हुए टिप्पणी की, कि मामले में जांच बडे ही अनौपचारिक रवैये के साथ की जा रही थी, जबकि, पिछले वर्ष जुलाई में ही जांच शीघ्र करने के आदेश दिये गये थे

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर/जोधपुर, 9 जनवरी (कासं)। जोधपुर की ''सेन्ट्रल जेल'' में न्यायिक हिरासत में एक आरोपी की संदिग्ध हत्या के मामले में सुनवाई हुई। चौंकाने वाली बात यह भी है कि उक्त मामले में जुलाई 2025 से न्यायिक जांच भी लंबित थी, जबकि जोधपुर स्थित हाईकोर्ट ने 15 जुलाई 2025 को मामले में जांच शीघ्र पूरा करने के आदेश दिये थे। शुक्रवार को इस मामले में न्यायाधीश फरजन्द अली की अदालत ने सुनवाई के दौरान इस बात पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा, अदालत के कड़े आदेशों के बावजूद पिछले वर्ष 20 दिसम्बर को एक रिपोर्ट पेश की गई। इससे स्पष्ट है कि मामले की जांच बड़ी ही लापरवाही से और अनौपचारिक तरीके के साथ की गई है। अदालत ने आदेश में कहा है कि इस मामले में जांच प्राथमिकता से की जानी चाहिए और जांच अधिकारी अगले 15 दिन में पूरी न्यायिक रिपोर्ट अदालत में पेश करें। अदालत में इस मामले की अगली तारीख 23 जनवरी तय की है।

दरअसल इस मामले में जोधपुर ''सेन्ट्रल जेल'' में एक छोटे अपराधिक मामले में अपराधी को न्यायिक हिरासत में रखा गया। परंतु शारीरिक उत्पीड़न और मारपीट के कारण कैदी की तबियत बिगड़ गई तो उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि कैदी के शरीर पर कई तरह की गंभीर चोटें थीं, जिनसे काफी रक्त भी बहा था और सूजन भी थी। डॉक्टर ने रिपोर्ट में यह भी बताया कि ये चोटें कैदी को पोस्टमार्टम से करीबन 6 घंटे पहले लगी हैं, यानी जब वह कैदी न्यायिक हिरासत में था, तब ही उस पर जानलेवा हमला हुआ था।

इस मामले में कैदी के परिजनों ने ही अदालत का दरवाजा खटखटाया और याचिकाकर्ता लीला की ओर से अधिवक्ता वासुदेव चरण और अधिवक्ता अभिषेक अखावत पैरवी के लिए पेश हुए थे।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि इस मामले में गंभीरता इससे भी बढ़ जाती है, क्योंकि याचिकाकर्ता के वकीलों ने मोबाइल फोन के 'कई स्क्रीन शॉट' साक्ष्य की तरह पेश किए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि जेल के अधिकारी कैदियों से पैसों का लेन-देन कर रहे थे। अदालत ने कहा कि यह लेनदेन किसी कैदी को गैर कानूनी विशेष सुविधा पहुंचाने के लिए या वसूली-हफ्ता लेने के तौर पर किया जा रहा था। अदालत ने अपने आदेश में कहा

- **अदालत ने कहा कि इस मामले में मृतक के परिजनों ने मोबाईल फोन के कई स्क्रीन शॉट साक्ष्य की तरह पेश किए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि जेल के अधिकारी कैदियों से पैसों का लेन-देन कर रहे थे।**
- **अदालत ने अपने आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा है कि यह लेनदेन किसी कैदी को गैर कानूनी विशेष सुविधा पहुंचाने के लिए या वसूली-हफ्ता लेने के तौर पर किया जा रहा था।**
- **अदालत ने तथ्यों को देखते हुए कहा कि न्यायिक हिरासत में हुई मृत्यु के इस मामले में यह भी पता लगाना अत्यन्त आवश्यक है कि कैदी उस समय कौनसे सैल में बंद था जब उस पर जानलेवा हमला हुआ, उसके साथ और कौनसे कैदी बंद थे, और उस सैल की निगरानी करना किस जेल अधिकारी की जिम्मेदारी थी।**

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली में सब स्कूल 15 जनवरी तक बंद रहेंगे

नई दिल्ली, 09 जनवरी। दिल्ली में पड़ रही कड़ाके की ठंड, ठंडी हवाओं और घने कोहरे को देखते हुए, शिक्षा निदेशालय ने छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली के सभी सरकारी, सरकारी

- **कड़ाके की सर्दी और घने कोहरे में छात्रों की सुरक्षा के लिये यह निर्णय लिया गया।**

सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को 15 जनवरी 2026 तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है।

यह विंटर ब्रेक 1 जनवरी 2026 से शुरू होकर 15 जनवरी तक चलेगा, जो 2025-26 शैक्षविक सत्र के आधिकारिक कैलेंडर का हिस्सा है। शिक्षा निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि ये छुट्टियां पहले से निर्धारित हैं और राष्ट्रीय राजधानी में जनवरी की शुरुआत में आमतौर पर पड़ने वाली भीषण ठंड, घने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भरतपुर में 50 हजार की रिश्वत लेते सहायक व कनिष्ठ अभियंता गिरफ्तार

भरतपुर एसीबी टीम की भनक लगते ही सहायक अभियंता फोर व्हीलर और कनिष्ठ अभियंता स्कूटी लेकर मौके से भाग निकले

- **एसीबी टीम ने पीछा कर कनिष्ठ अभियंता को घासीराम बिठोड कॉलोनी में नाले में कूदते ही दबोच लिया, जबकि सहायक अभियंता को उत्तर प्रदेश के किरावली से दबोचा**
- **सौलर प्लांट इंस्टॉलेशन के मीटर जारी करने व सब्सिडी एप्रूव करने की एवज में 90 हजार रूपये की रिश्वत मांगी थी**

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर एसीबी टीम ने कार्रवाई करते हुये सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को परिवादी से 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रिश्वत राशि लेते समय दोनों आरोपियों को एसीबी टीम की भनक लगते ही सहायक अभियंता फोर व्हीलर और कनिष्ठ अभियंता स्कूटी लेकर मौके से भाग निकले। एसीबी टीम ने पीछा कर कनिष्ठ अभियंता को घासीराम बिठोड कॉलोनी में नाले में कूदते ही दबोच लिया, जबकि सहायक अभियंता को उत्तर प्रदेश के किरावली से दबोचा। दोनों आरोपियों से एसीबी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है।

एसीबी एडिशनल एसपी अमित कुमार ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत परिवादी द्वारा दी गई। उसमें बताया कि पीएम सूर्यधर योजना में रूफटॉप सौलर योजना में परिवादी की फर्म द्वारा किये गये सौलर प्लांट इंस्टॉलेशन के मीटर जारी करने व सब्सिडी एप्रूव करने की एवज में अभिषेक कनिष्ठ अभियंता व मोहित कटियार सहायक अभियंता कार्यालय अधिशाषी अभियंता जेवीवीएनएल उच्चैन जिला भरतपुर द्वारा मिलकर परिवादी से 90 हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। मामले का सत्यापन किया गया और एसीबी एडिशनल एसपी अमित सिंह भरतपुर द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी कनिष्ठ अभियंता व मोहित कटियार सहायक अभियंता कार्यालय अधिशाषी अभियंता जेवीवीएनएल उच्चौन जिला भरतपुर को आरोपी अभिषेक कनिष्ठ अभियंता के घर के बाहर रोड पर परिवादी से प्रथम किश्त के रूप में 50 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया। एडिशनल एसपी अमित सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को टीम की भनक लग गई और दोनों अपने-अपने वाहनों से भागने लगे कनिष्ठ अभियंता को नाले में कूदते समय दबोच लिया, जबकि सहायक अभियंता उत्तर प्रदेश के किरावली से पकड़ा है। कनिष्ठ अभियंता को नाले में कूदते समय चोट आई है।

श्रीगंगानगर में ठंड का कहर जारी, पारा 5.8 डिग्री दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में इन दिनों तेज ठंड का कहर जारी है। हल्की धूप निकलने के बावजूद ठंड से राहत नहीं मिली। लोग धूप में बैठकर भी कंपकपाते नजर आए। मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री व अधिकतम तापमान 12.3 डिग्री रिकार्ड किया गया।

गुरुवार को न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री और अधिकतम तापमान 12.3 डिग्री रिकार्ड किया गया, जबकि बुधवार को यहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री में अधिकतम तापमान 10.4 डिग्री रिकार्ड किया गया था। गुरुवार को श्रीगंगानगर जिला करौली के बाद प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के करीब है। दिन में मौसम ड्राई रहने और रात में तापमान गिरने से पाला पड़ने का खतरा है। अगले 2 सप्ताह तक कड़ाके की ठंड बनी रहेगी। रात के तापमान में 1-2 डिग्री की और गिरावट संभव है। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र में अगले दो-तीन दिनों में अलग-अलग जगहों पर घना कोहरा छाने की आशंका है।

बाइक चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी थाना पुलिस ने छाजा कस्बे में मोटरसाइकिल चोरी के मामले का 24 घंटे में खुलासा कर आरोपी गेबीलाल खांट को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल जब्त की।

थानाधिकारी कपिल पाटीदार ने बताया कि 7 जनवरी को प्रार्थी ने थाने में मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्रित किये गये वहीं आस-पास मकानों पर सीसीटीवी फुटेज चैक कर संदिग्ध से पूछताछ की गयी।

थानाधिकारी कपिल पाटीदार के नेतृत्व में मुखबीर की सूचना व तकनीकी साक्ष्य के आधार पर एक व्यक्ति की पहचान कर डिटेन कर उससे पूछताछ की गयी। जिस पर अभियुक्त गेबीलाल पुत्र सबुड़ा खांट निवासी कथरिया छाजा थाना आनंदपुरी ने मोटर साईकिल चोरी करना स्वीकार किया। जिस पर अभियुक्त गेबीलाल को गिरफ्तार कर उसकी निशादेही से मोटरसाइकिल बरामद की गयी।

पाली जेल में कैदी ने आत्महत्या की

- **पॉस्को एक्ट के तहत 2025 से पाली जिला जेल में बंद था 20 वर्षीय कैदी**

पाली, (नि.सं.)। पाली जिला जेल में शुक्रवार को एक 20 वर्षीय कैदी ने सुसाइड कर लिया। घटना की सूचना मिलने पर न्यायिक अधिकारी व पुलिस जेल में पहुंची और बॉडी को मोर्चरी में पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार राजू उर्फ राजेंद्र पुत्र भंवरलाल पाली जेल में पॉस्को एक्ट के तहत 2025 से बंद था। शुक्रवार दोपहर करीब चार बजे की घटना है। सुसाइड का कोई कारण मालूम नहीं चला है। एसपी जय सिंह तंवर ने बताया कि युवक ने जेल के बाथरूम में तौलिया गले में लपेट सुसाइड कर लिया था। इस तरह की घटना से जेल में सुरक्षा की सवालिया निशान है। मृतक जोधपुर जिले का निवासी है।

रेल लाइन पार करते युवक के दोनों पैर कटे

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को रेल लाइन पार कर रहे एक युवक के दोनों पैरों के पंजे कट जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया। घायल युवक की पहचान चिरंजीत सिंह (36) पुत्र राम सिंह राजपूत, निवासी रोहिणा, तहसील जायल के रूप में हुई है। युवक ट्रेन में सवार होने के लिए प्लेटफार्म बदलने के दौरान स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के नीचे से निकलकर रेल लाइन पार कर रहा था। इसी बीच अचानक मालगाड़ी चल पड़ी, जिससे उसके दोनों पैरों के पंजे कट गए।

10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर नई योजना तैयार

- **इस बार परीक्षा केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था को तकनीक आधारित बनाकर नकल और अव्यवस्थाओं पर सख्त नियंत्रण रखा जाएगा**
- **बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने माशिबो की वर्ष 2026 की 10वीं और 12वीं परीक्षाओं को लेकर परीक्षा तैयारी समीक्षा बैठक ली**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2026 की 10वीं और 12वीं परीक्षाओं को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। परीक्षा तैयारियों को लेकर शुक्रवार को बोर्ड परिसर के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों को समयबद्ध व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बोर्ड 10वीं और 12वीं की परीक्षा को लेकर नई योजना तैयार की गई है। इस बार परीक्षा केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था को तकनीक आधारित बनाकर नकल और अव्यवस्थाओं पर सख्त नियंत्रण रखा जाएगा। उन्होंने बताया इसके लिए राज्य स्तर पर गठित हाई पावर कमेटी के निर्णयों के अनुरूप तैयारी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि माशिबो की वर्ष 2026 की 10वीं और 12वीं की परीक्षा के लिए प्रदेशभर में 6,195 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जहां लगभग 20 लाख परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। बैठक में परीक्षा केंद्रों की स्थापना, पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, सुरक्षा प्रबंध, नकल निरोधक व्यवस्था, उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन, समय सारणी और आईटी आधारित निगरानी सहित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। बैठक में संयुक्त निदेशक, समस्त जिला शिक्षा अधिकारी और संदर्भ व्यक्तियों ने बैठक में हिस्सा लिया।

परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए बोर्ड स्तर पर सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और बोर्ड कार्यालय में एक केंद्रीय कंट्रोल रूम स्थापित करने की योजना तैयार की गई है। इसी कंट्रोल रूम से रियल टाइम मॉनिटरिंग कर संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही जिला परीक्षा संचालन समिति संवेदनशील और अति संवेदनशील केंद्रों की वीडियोग्राफी कराने की व्यवस्था करेगी, ताकि शिकायतों की स्थिति में तथ्यात्मक जांच और जवाबदेही तय की जा सके।

प्रवेश पत्र अपलोड

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयुष विभाग में लेक्चरर परीक्षा 2025 के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। कंप्यूटर बेस्ड रिक्रूटमेंट टेस्ट (सीबीआरटी) के माध्यम से परीक्षा अजमेर जिला मुख्यालय पर 12 जनवरी को आयोजित होगी। ऑनलाइन परीक्षा के पूर्वाभ्यास के लिए मॉक टेस्ट आयोग की वेबसाइट के कैंडिडेट इनफॉर्मेशन, सीबीआरटी पर उपलब्ध है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा जिला मुख्यालय पर 12 जनवरी को आयोजित की जाएगी।

CHIEF BLOCK EDUCATION OFFICE SAMAGRA SHIKSHA CHHABRA

Sr. No. :- 1649 Date : 08/01/2026

NOTICE INVITING BID

NIT No.- 02/2025-26

Bids for AAWAS, BHOJAN, CHAI- NASTA ,WITH TRAINING PLACE AND TENT FACILITY are invited from interested bidders up to 12 PM,Dated 12/01/2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.rajasthan.gov.in)** of the state. The approximate value of procurement is Rs 6.00 Lacs. **UBN No.- EED2526SSRC01325**

Raj.Samwad/C/25/17406 Chief Block Education Officer, Baran

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी करौली

क्रमांकः-लेखा / 2026/1928 दिनांकः- 06/01/2026

नीलामी आमंत्रण सूचना 02/2025-26

सर्व साधारण एवं रद्दी कागज के इच्छुक केताओं / कवाडियों से कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (स्टोर) करौली में स्टोर के रद्दी कागज व अन्य नाकारा सामग्री अनुमानित राशि 558520/- की नीलामी दिनांक 15.01.2026 को दोपहर 01.00 बजे की जावेगी। इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत केता/कवाड/ निर्धारित धरोहर राशि जमा कराकर खुली नीलामी में भाग ले सकेगें।

NIB NO:- CKL2526A0018

UBN NO:- CKL2526GSOB00016

(हेमराज परिडवाल)
उपजिला निर्वाचन अधिकारी
करौली

DIPR/C/384/2026

प्रदेश में वाइस प्रिंसिपल और अन्य अधिकारियों के तबादले

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं नजदीक हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग की ओर से महज एक महीने पहले किए जा रहे तबादलों ने स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग ने छह जनवरी को जहां 412 प्रिंसिपल के तबादले किए थे, वहीं अब 167 वाइस प्रिंसिपल और अन्य पदों पर कार्यरत अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। लगातार हो रहे प्रशासनिक फेरबदल से कई स्कूलों में नियमित पढ़ाई प्रभावित होने लगी है।

जारी आदेश के अनुसार सबसे अधिक तबादले जयपुर जिले में किए गए हैं, जहां 25 से अधिक वाइस प्रिंसिपल और समकक्ष अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है। बीकानेर जिले से 10 से ज्यादा, चूरू से 8 से अधिक और नागौर से करीब 12 तबादले हुए हैं। इसी तरह अजमेर, अलवर, भीलवाड़ा, उदयपुर, टोंक, सीकर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, बूंदी और भरतपुर जैसे जिलों में भी 4 से 8 के बीच तबादले किए गए हैं। कई जिलों में यह तबादले एक ही जिले के भीतर तो कई में एक जिले से दूसरे जिले में किए गए हैं।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों के अंतिम चरण में स्कूलों के प्रधानाचार्य और उपप्रधानाचार्य का तबादला होने से टाइम टेबल, सिलेबस की रिवीजन योजना और कमजोर विद्यार्थियों की अतिरिक्त कक्षाओं पर असर पड़ रहा है। शिक्षकों का कहना है कि नए अधिकारी के आने तक व्यवस्थाएं फिर से संभलने में समय लगता है, जिसका सीधा नुकसान छात्रों को उठाना पड़ता है। जयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर जैसे जिलों में वाइस प्रिंसिपलों की संख्या अपेक्षाकृत ज्यादा बदली गई है। वहीं सीमावर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में भी वाइस प्रिंसिपल की अदला-बदली हुई है, जिससे कई स्कूलों में परीक्षा से ठीक पहले प्रशासनिक बदलाव की स्थिति बनी है।

उदयपुर कोर्ट परिसर में बंदर ने वकीलों व कांस्टेबल पर हमला किया

- **करीब एक से डेढ़ घंटे तक कोर्ट का कामकाज भी प्रभावित रहा**
- **वाइल्ड लाइफ टीम ने मौके से बंदर को रैस्क्यू किया**

उदयपुर, (कासं)। कोर्ट परिसर में शुक्रवार को उस वक्त दहशत का माहौल हो गया, जब एक उत्पाती बंदर अचानक कोर्ट में घुस आया और उत्पात मचाने लगा। इस दौरान कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। बंदर ने कोर्ट में मौजूद 4-5 वकीलों और एक कांस्टेबल पर अचानक हमला कर दिया। इस दौरान टेबलों पर रखे जरूरी दस्तावेज बिखर गए और पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। करीब एक से डेढ़ घंटे तक कोर्ट का कामकाज भी प्रभावित रहा और वकील डर के साये में बाहर निकलने को मजबूर हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची वाइल्ड लाइफ रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बंदर को सुरक्षित पकड़कर बाहर निकाला। इसके बाद कोर्ट परिसर में मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

वाइल्ड लाइफ रेस्क्यूअर धर्मेंद्र पाणिगर ने बताया कि यह लाल मुंह का बंदर पिछले डेढ़ महीने से शहर में लोगों के लिए खतरा बना हुआ था। प्रतापनगर और नाकोडा नगर इलाके में इसने करीब 20 से 25 लोगों पर हमला किया था। इसके बाद आरसीए कॉलेज में भी इसने 4 से 5 छात्रों को काट लिया था। कुम्हारों का भट्टा और शोभागपुरा सौ फीट रोड क्षेत्र में भी इसके काटने की शिकायतें मिल चुकी थी। उन्होंने बताया कि कलैक्टर और नगर निगम के निर्देश पर इस बंदर को आज रैस्क्यू किया गया है और फिलहाल उसे बायोलॉजिकल पार्क में सुरक्षित छोड़ दिया गया है, ताकि आमजन को इससे राहत मिल सके।

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला रसद अधिकारी, जालोर

(जिला उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी)

क्रमांक-रसद/लेखा/निविदा/2025/ दिनांकः-

NOTICE INVITING BID

e-Bids for Selection of Transporter for the Transportation of Food grains Under MDM from FCI Depots in District JALORE are invited from interested bidders up to 12-01-2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in or http://sppp.rajasthan.gov.in/ www.food.rajasthan.gov.in) of the state, The approximate value of the procurement is 20 Lakhs for One year.

UBN FCC2526SLOB00185

NIB Code FCC2526A0149

(आलोक झरवाल)
जिला रसद अधिकारी
(उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी) जालोर

DIPR/C/210/2026

Office of the Medical Superintendent

RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur

Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)

दूरभाष: 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org

No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2025-26/12708 Date :- 08/01/2026

Short Term Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited upto 02.00 pm of 11/02/2026 for Establishment and Development of State of Art Trauma Center (Level-1) on Turn Key Basis along with Medical Equipment at RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. (Total Approx. Cost Rs. 15,83,70,000.00). Details may be seen in the Bidding Documents at the Website **sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in.**

UBN : CMS2526GLOB00108

Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur

Raj.Samwad/C/25/17396

हत्या के आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। कोतवाली थानाधिकारी भंवरलाल द्वारा गठित पुलिस टीम व डीएसटी ने कालीपलटन क्षेत्र में हुई युवक की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया कि गत 6 जनवरी को बछेरों का घेर कालीपलटन में सोहेल उर्फ सोनू घर पर खाना खा रहा था, उसी समय दिलशाद ऊर्फ शाबू ने सोहेल को आवाज लगाई, जिसके बाद सोहेल बाहर आया तो दिलशाद के साथ आये फईम ने सोहेल पर चाकू से वार कर दिया, जिसके बाद दोनों आरोपी भाग गये तथा घायल सोहेल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गम्भीर हालात होने से उसे जयपुर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों द्वारा प्रकरण दर्ज कराया गया, जिसमें टीम ने सीसीटीवी फुटेज लेकर आरोपियों की तलाश कर आरोपियों को हनुमान नगर (जहाजपुर) से दस्तयाब किया गया।

बीस लाख का डोडा-चूरा सहित तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण के मंडाना पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से करीब बीस लाख कीमत का 104 किलो 740 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया एवं घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मंडाना थाने के थानाधिकारी वासुदेव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने कार्य योजना बनाकर कोटा-झालावाड़ एनएच-52 पर टोल प्लाजा मंडाना के समीप नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि वाहनों की चैकिंग के दौरान झालावाड़ की ओर से एक कार आती हुई दिखाई दी, पुलिस नाकाबंदी को देखकर कार चालक ने यूर्टन कर एनएच-52 पर रॉंग साईड लेकर भगाने लगा। पुलिस टीम ने संदेह होने पर कार का पीछा किया तो फाटाखेड़ा के समीप सर्विस रोड पर कार चालक व अन्य कार को छोड़कर खेतों की तरफ भागे। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पीछा कर रही पुलिस टीम ने खेतों में भाग रहे एक तस्कर भगवान सिंह (23) का पीछा कर उसको डिटेन किया एवं एक अन्य तस्कर चालक राकेश जोशी खेतों में खड़ी फसल में छिपकर फरार हो गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली तो कार से 104 किलो 740 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया, पकड़े गये अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 20 लाख रूपये है। पुलिस टीम ने मादक पदार्थ बरामद होने पर मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए जिला नागौर के चांदनीसेरा निवासी भगवान सिंह को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

कार्यालय नगर पालिका, खेजरोली-जयपुर (राज.)

क्रमांक / नपाखेज. / 2025-26 / 24 दिनांक : 06.01.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

इच्छुक संवेदक / फर्म एवं निविदादाओं को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका खेजरोली द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। इस निविदा हेतु कार्यालय में दिनांक 12.01.2026 को प्रातः 10.00 बजे 11.00 बजे तक निविदा शुल्क व अमानता राशि पालिका कार्यालय में नगद जमा करवाकर निविदा में भाग ले सकेंगें। उक्त निविदा सूचना http://sppp.raj.nic.in पोर्टल पर दिनांक 06.01.2026 से देखी जा सकती है। उक्त कार्य की एनआईबीकोड निम्नानुसार हैं :-

NIB code : - DLB2526A9939

UBN Code:- DLB2526WSRC29522
DLB2526WSRC29523

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका खेजरोली

राज.संवाद / सी / 25 / 17348

कार्यालय नगर विकास न्यास, अलवर (राज.)

क्रमांक :- लेखा/2025/1763 - 66 दिनांक :- 07/01/2026

NOTICE INVITING NIT – 37/2025-26

Construction of nallah, park development, paver work and other development work, Alwar. 03-01-26 to 02-02-26 3.00 PM. Technical bid open 03-02-26 4.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in)** of the state and **www.uitalwar.in.** The approximate Value of the procurement is Rs. 1981.10 lakhs.

UBN No. : UAL2526WSOB00374, 00367, 00369, 00371, 00373, 00366, 00368, 00370, 00372

Executive Engineer
UIT Alwar

Raj.Samwad/C/25/17408

बीकानेर में हेरिटेज वॉक के साथ ''अंतर्राष्ट्रीय ऊँट उत्सव'' शुरू

- **केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, विधायक जेठानंद व्यास और जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि ने फीता काट हेरिटेज वॉक का शुभारंभ किया**

''अंतर्राष्ट्रीय ऊँट उत्सव'' के तहत निकाली गई हैरीटेज वाक का पर्यटकों ने लुत्फ उठाया।

बीकानेर, (निसं)। ''अंतर्राष्ट्रीय ऊँट उत्सव'' का आगाज शुक्रवार को हेरिटेज वॉक के साथ हुआ। हेरिटेज वॉक का आयोजन नगर सेठ श्री लक्ष्मीनाथ जी मंदिर से रामपुरिया हवेली तक किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास और जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि ने फीता काटकर हेरिटेज वॉक का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़ ने की। इससे पूर्व केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव के आगाज की घोषणा की।

मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि तीन दिवसीय ऊँट उत्सव से बीकानेर के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में हम बजट में भी कुछ ज्यादा प्रयास कर सकते हैं। साथ ही भारत सरकार के कुछ संस्थानों से कलाकारों को जोड़ सकते हैं। हवेली बचाओ अभियान को लेकर मेघवाल ने कहा कि एक हजार हवेलियों वाले बीकानेर शहर में हवेलियों को कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि हेरिटेज वॉक से बीकानेर की संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि निलेगी। लोग हवेलियों को देखने को लेकर लोग लालायित रहते हैं। पाटा संस्कृति और स्थानीय व्यंजन घेवर, भुजिया, रसगुल्ले, रबड़ी इत्यादि को विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी। व्यापार भी बढ़ेगा। लिहाजा बीकानेर को इसका बहुत लाभ होने वाला है।

हेरिटेज वॉक में बीकानेर की स्थापत्य कला, व्यंजन और लोक कलाओं के विविध आकर्षक रंग देखने को मिले। हैरिटेज वॉक में देशी-विदेशी सैलानी, स्थानीय निवासियों सहित जनप्रतिनिधि व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी बीकानेरी रंगों में सराबोर नजर आए। जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि, एसडीएम बीकानेर आईएएस महिमा कसाना और आईएएस स्वाति शर्मा ने तांगे की सवारी की।

वॉक के दौरान लोक कलाकार रमेश व्यास द्वारा पहनी हुई 25 से 30 किलो भार वाली और 2 हजार 25 फीट लंबी पगड़ी, लोक कलाकार श्याम सुंदर व्यास द्वारा करीब 20 किलो भार वाली और 380 मीटर लंबी पगड़ी व मूंछ किंग गिरधर व्यास की दोनों तरफ 20-20 फीट यानी कुल 40 फीट लंबी मूंछें आकर्षण का केन्द्र बनी हुई थी। हेरिटेज के रंगों को करीब से देख कर देशी विदेशी पर्यटक रोमांचित नजर आए। ऐतिहासिक रामपुरिया हवेलियों के पास वॉक का समापन हुआ। रामपुरिया हवेली के अंदर पंडित नारायण दास रंगा और उनकी टीम ने हवेली संगीत की बेहतरीन प्रस्तुति देकर सभी को अभिभूत कर दिया। हेरिटेज वॉक में सजे धजे रास्ते और सांस्कृतिक व स्थापत्य विरासत के रंगों के बीच देशी विदेशी सैलानी सेल्फी लेते नजर आए।

अलवर रेलवे स्टेशन पर शराब तस्कर को पकड़ा

अलवर, (निसं)। अलवर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के जरिए शराब तस्करी का मामला सामने आया है। शराब हरियाणा से गुजरात ले जाई जा रही थी। सूचना के आधार पर अलवर रेलवे जंक्शन पर रेलवे पुलिस की सहायता से आबकारी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को सूटकेस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी सूटकेस में शराब की महंगी बोतलें तस्करी कर ले जा रहा था। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर आबकारी थाना पुलिस ने रेलवे पुलिस की मदद से आरोपी को अरेस्ट किया है। आरोपी के कब्जे से 64 महंगी अंग्रेजी शराब की बोतलें और 144 पव्वे बरामद किए हैं।

आबकारी थाना पुलिस के अनुसार आरोपी हरियाणा से शराब लेकर गुजरात जा रहा था। ड्राई स्टेट होने के कारण शराब की बिक्री प्रतिबंधित है। आरोपी इन शराब की बोतलों को वहां अवैध रूप से बेचने की फिराक में था। आबकारी थाना अलवर के पीओ सतीश कुमार ने बताया कि आबकारी अधिकारी निरोधक दल दिगम्बर सिंह डागुर के नेतृत्व में आबकारी निरोधक दल ने यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान पार्थ निवासी अहमदाबाद (गुजरात) के रूप में हुई है।

Office of the Executive Engineer, Watershed Development & Soil Conservation Bikaner

S.N. :633 **NOTICE INVITING BID** Date: 05-01-2026

NIB No WSC2526A1261

On the behalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of NRM, Production, EPA & IEC Works under PMKSY 2.0 Projects of estimated value INR 193.55 Lakh as mentioned below are invited from interested bidders up to 12-01-2026, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

Bid No.	Block	Estimated Cost, (Rs. in lakhs)	UBN No.
1	Bikaner	51.50	WSC2526WSOB02206
2	Bikaner	41.58	WSC2526WSOB02207
3	Bikaner	49.83	WSC2526WSOB02208
4	Bikaner	38.50	WSC2526WSOB02209
5	Bikaner	2.55	WSC2526WSOB02210
6	Bikaner	9.59	WSC2526WSOB02212

[Mahesh Kumar Ajariwal]
Executive Engnieer
WDSC, Bikaner

DIPR/C/356/2026

Urban Improvement Trust Dausa-Bandikui

Pool Building Collectorate Campus, Dausa 303303 Telephone: 01427294292

e.mail: uitdausabandikui@rajasthan.gov.in

No. :- UIT/D&B/ENGG/T.S./DDU/2025-26/DEC/04-00033-8753272 Dated :- 07/01/2026

NOTICE INVITING BID

NIB No. : EE/06/2025-26

Online Bids are invited up-to 6:00 PM of 27-01-2026 for Development works at Deen Dayal Upadhyay Urban Residential Scheme (Phase-I), Dausa. The last date for Applying Bid and making online payment NEFT/RTGS or through SSO POPRTAL (Urban Services) is up-to 6:00 PM of 27-01-2026. The estimated cost of NIB is Rs. 376.00 Lacs. Details may be seen in the Bidding Document at our office or the State Public Procurement Portal website **www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in**, Urban Servies Portal.

(UBN No. TDU2526WSOB00008)

(NIB CODE. TDU2526A0009)

Executive Engineer
UIT Dausa - Bandikui

Raj.Samwad/C/25/17409

जय शाह ने मंच से कहा, हमारे कप्तान यहां बैठे हैं। मैं उन्हें कप्तान ही कहूंगा, क्योंकि उन्होंने टीम को दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जिताई हैं। साल 2023 वर्ल्ड कप में हमने लगातार 10 मैच जीते, लेकिन ट्रॉफी नहीं उठा पाए। - जय शाह

बीबीसीआई सचिव, रोहित शर्मा को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

वैभव सूर्यवंशी

भारतीय टीम के होनहार क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने बेहद ही कम समय में अपने बेहतरीन खेल से हर किसी का ध्यान खींचा है दरअसल, पूर्व पाकिस्तानी कप्तान एवं मौजूदा समय में ग्रीन टीम के बल्लेबाजी के रीढ़ बाबर आजम ने अंडर 19 यूथ वनडे सीरीज में 15 वर्ष की आयु से पहले दो शतक लगाए थे, जबकि वैभव सूर्यवंशी 15 वर्ष की आयु से पहले अंडर 19 यूथ वनडे सीरीज में तीन शतक जड़ चुके हैं। अंडर 19 यूथ वनडे सीरीज में खबर लिखे जाने तक एक से अधिक शतक लगाने का विशेष रिकॉर्ड केवल वैभव सूर्यवंशी और बाबर आजम के नाम दर्ज है।

क्या आप जानते हैं ?... एक पारी में सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड इयोन मोर्गन के नाम है, उन्होंने 18 जून 2019 को मैनचेस्टर में अफगानिस्तान के खिलाफ एक पारी में सर्वाधिक छक्के (17) लगाये थे।

पी.वी. सिंधु 13 महीनों में अपने पहले सेमीफाइनल में, अब खिताब पर नजर

कुआलालम्पुर, 9 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार को हराकर सुपर 1000 इवेंट मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जबकि पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु को तीसरी सीड जापान की अकाने यामागुची के रिटायर होने से सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। यामागुची पहला गेम 21-11 से हारने के बाद मैच से रिटायर हो गईं।

सिंधु एक साल से ज़्यादा समय बाद अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंच गईं, जब सीज़न के पहले मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची पहले गेम के बाद चोट के कारण रिटायर हो गईं। सिंधु गुरुवार को यामागुची की हमवतन टोमोका मियाज़ाकी पर शानदार जीत के साथ क्वार्टर में पहुंची थीं, लेकिन यामागुची के खिलाफ मुकाबला इतना आसान होने की उम्मीद नहीं थी।

लेकिन यामागुची अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिख रही थीं, क्योंकि सिंधु ने पहले गेम के इंटरवल में 11-5 की बढ़त बना ली थी। इसके बीच में, पूर्व खिलाड़ी शॉट लगाने की कोशिश में चोटिल हो गईं, और उनके टखने में मोच आ गई।

पहला गेम खत्म होने में थोड़ा समय लगा, सिंधु ने इसे सिर्फ 12 मिनट में 21-11 से जीत लिया। इसके खत्म होने के तुरंत बाद, यामागुची अंपायर के पास गईं और उन्हें मैच से रिटायर होने के अपने फैसले के बारे में बताया और सिंधु से हाथ मिलाया।

सिंधु आखिरी बार दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सेमीफाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्होंने हमवतन उन्नित हुड्डा को सीधे गेम में हराया था और फिर फाइनल में चीन की वूओ लुओ यू को आसानी से हराकर खिताब जीता था। वह सिंधु की आखिरी जीत थी और वह मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी या छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वर्दानी में से किसी एक का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सिंधु, जो पैर की चोट के कारण बाहर थीं और अक्टूबर के बाद किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था, ने मियाज़ाकी पर अपनी जीत के बाद टॉप-लेवल प्रदर्शन बनाए रखने में फिटनेस के महत्व पर ज़ोर दिया।

इस बीच सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मोहम्मद शोहिबुल फिकरी से 47 मिनट तक चले मुकाबले में 10-21, 21-23 से हारकर बाहर हो गये। सात्विक-चिराग की हार के बाद अब टूर्नामेंट में सिंधु ही एकमात्र भारतीय चुनौती रह गई है। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी पहले ही हार गए थे।

जादुमणि सिंह, पवन बर्तवाल आसान जीत के साथ फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, 9 जनवरी। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फाइनल के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमणि सिंह ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा की गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की 50-55किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट अमित पंघाल को हराकर पवन बर्तवाल के साथ एक रोमांचक फाइनल मुकाबले के लिए जगह बनाई। यह पहली बार है जब पुरुष और महिला नेशनल चैंपियनशिप एक ही जगह पर एक साथ हो रही हैं और देश भर से 600 बॉक्सर पुरुष और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में हिस्सा ले रहे हैं। सेमीफाइनल में, जादुमणि ने अमित पर 5:0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि पवन ने मणिपुर के विक्टर सिंह पर भी इसी तरह की जीत हासिल की। इस बीच, ऑल इंडिया पुलिस की विश्व चैंपियन मीनाक्षी (महिलाओं की 45-48 किग्रा) ने मध्य प्रदेश की मलिका मोर को 5:0 से हराया, जबकि निकहत (48-51किग्रा) ने यूपी की कुसुम बघेल के खिलाफ 4:1 के स्प्लिट फैसले से अपना सेमीफाइनल जीता। टोक्यो ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन भी महिलाओं की 70-75किग्रा कैटेगरी के फाइनल में पहुंच गईं, उन्होंने उत्तर प्रदेश की इमरोज खान को 5:0 से हराया, जबकि प्रीति (51-54 किग्रा) ने उत्तराखंड की आरती धरियाल को 5:0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। पुरुषों के सेक्शन में, सचिन (55-60 किग्रा) ने पंजाब के भूपिंदर सिंह को हराया, जबकि राजस्थान के विवेक, हितेश गुलिया (65-70 किग्रा) के सामने टिक नहीं पाए। इसके अलावा, अपनी-अपनी कैटेगरी के फाइनल में पहुंचने वालों में अविनाश जमवाल (60-65 किग्रा), सुमित (70-75 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा) शामिल हैं।

खेल संघों से जुड़े विवादों का अब समाधान होना चाहिए : मांडविया

अहमदाबाद (गुजरात), 9 जनवरी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि खेल संघों से जुड़े विवादों का अब समाधान होना चाहिऐ।

स्टर्लिंग टी-20 वर्ल्ड कप में आयरलैंड की कप्तानी करेंगे

डबलिन, 9 जनवरी। लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में, अनुभवी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग आयरलैंड की कप्तानी करेंगे। इस बड़े इवेंट के लिए चुने गए 15 खिलाड़ियों में से 12 खिलाड़ी दो साल पहले यूएसए और वेस्टइंडीज में खेले गए टूर्नामेंट का हिस्सा थे। टीम: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, बेन कैलिट्ज, कर्टिस कैम्फर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, मैथ्यू हम्फ्रीज, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, लॉर्कन टकर (उप-कप्तान), बेन व्हाइट, क्रेग यंग आयरलैंड की राष्ट्रीय पुरुष टीम के चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, "यह कहना कि हम इस टी20 वर्ल्ड कप का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, यह कम होगा। 2022 के यादगार टूर्नामेंट के बाद, हम शायद 2024 में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे - और तब से इसे सुधारने का इंतजार कर रहे हैं।"

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ वनडे के लिए श्रेयस अय्यर को मिली हरी झंडी

मुम्बई, 9 जनवरी। श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम टीम का हिस्सा बनने की मंजूरी मिल गई है। वहीं सर्जरी से गुजरने के बाद तिलक वर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी-20 मैचों से बाहर हो गए हैं। श्रेयस को 15 सदस्यीय दल में शामिल तो किया गया था लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर तय था। विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित करने के बाद शुक्रवार को वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। वड़ोदरा में में होने वाले पहले एकदिवसीय से केवल दो दिन पहले वह टीम के साथ जुड़ेंगे।

भारत के उपकप्तान श्रेयस को 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया में पसली में चोट लगी थी और इसके बाद वह पहली बार भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। इस चोट के कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज नहीं खेल पाए हैं।

सर्जरी से गुजरने के बाद तिलक वर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया, गुरुवार की सुबह तिलक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई और शुक्रवार को वह हैदराबाद वापस जाएंगे। उनकी हालत स्थिर है। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद वह फिजिकल और स्किल ट्रेनिंग वापस शुरू करेंगे। ट्रेनिंग पर वापस आने के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए आखिरी दो टी-20 में उनके खेलने को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

मुंबई के लिए 82 और 45 रनों की पारियां खेलकर अय्यर ने वापसी के लिए मजबूत इरादे दिखाए हैं। चोट के कारण शार्दुल की अनुपस्थिति में उन्होंने मुंबई की कप्तानी भी की है। भारत की एकदिवसीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी सात जनवरी को वड़ोदरा पहुंच चुके है हैं। 15 सालों से अधिक के समय के बाद वड़ोदरा में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। नए बने कोटांबी स्टेडियम ने महिला वनडे और डब्ल्यूपीएल मैचों की मेजबानी की हैं।

भारत की एकदिवसीय टीम इस प्रकार है:- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल।

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट स्टार्स बीबीएल में वापस लौटे

सिडनी, 9 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया की एशेज जीतने वाली टेस्ट टीम के कई खिलाड़ी शनिवार से बिग बैश लीग (बीबीएल) में वापसी करेंगे। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार एलेक्स कैरी (एडिलेड स्ट्राइकर्स), ब्रेंडन डॉगेट (मेलबर्न रेनेगेड्स), जोश इंगलिस (पर्थ स्कॉर्चर्स), उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन (ब्रिस्बेन हीट), टॉड मर्फ़ी और स्टीव स्मिथ (सिडनी सिक्सर्स), साथ ही जेक वेदराल्ड और ब्यू वेबस्टर (होबार्ट हरिकेंस) शनिवार से अपनी-अपनी टीमों में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

माइकल नेसर (ब्रिस्बेन हीट) और मिशेल स्टार्क (सिडनी सिक्सर्स) भी बाद में लीग में शामिल होंगे। नेसर के 14 जनवरी से और स्टार्क के 16 जनवरी से उपलब्ध होने की उम्मीद है। इस बीच, स्कॉट बोलैंड, ट्रैविस हेड और कैमरन ग्रीन बीबीएल-15 में हिस्सा नहीं लेंगे। बोलैंड (मेलबर्न स्टार्स) और हेड (एडिलेड स्ट्राइकर्स) सभी पांच एशेज टेस्ट खेलने के बाद छोटे रिकवरी ब्लॉक से गुजरेंगे, जबकि ग्रीन अभी भी बिना अनुबंध के हैं क्योंकि वह बड़ी पीठ की सर्जरी से रिकवर हो रहे हैं।

एशेज सीरीज में मिचेल स्टार्क को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड से नावाज गया

सिडनी, 9 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली गई एशेज सीरीज में का दबदबा रहा। उन्होंने इस सीरीज में धुआंधार गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लिए। एशेज सीरीज में शानदार परफॉर्मेंस करने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज अव्रॉर्ड से नवाजा गया। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली गई एशेज सीरीज 2025-2026 संपन्न हो गई। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बैटर्स और बॉलर्स का दबदबा देखने को मिला। कंगारू टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति और दमदार खेल के चलते इंग्लैंड को ज्यादातर बैकफुट पर रखा। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत के 3 टेस्ट जीतकर एशेज पर कब्जा कर लिया था। इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट में जीत दर्ज की, लेकिन पांचवें और आखिरी टेस्ट में उसे 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 2025-2026 एशेज सीरीज 4-1 से अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया को सीरीज जिताने में मिचेल स्टार्क का अहम योगदान रहा। पूरी सीरीज में इंग्लैंड के बल्लेबाज स्टार्क की काट नहीं ढूढ़ पाए। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने मैच के दौरान जब कभी स्टार्क को गेंद थमाई तो उन्होंने निराश नहीं किया। वह एशेज सीरीज 2025-26 में सबसे ज्यादा विकेट लेने में सफल रहे। यही वजह रही स्टार्क को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड से नवाजा गया।

इसी महीने 36 साल के होने जा रहे मिचेल स्टार्क ने अपनी बॉलिंग से इंग्लैंड के बल्लेबाजों के घुटने पर ला दिया। पूरी सीरीज में उन्होंने एक युवा गेंदबाज की तरह गेंदबाजी की। उन्होंने लंबे-लंबे स्पेल में बॉलिंग करके दिखाया कि अभी उनकी बाजुओं में बहुत दम है। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में उनकी शानदार गेंदबाजी के आगे इंग्लैंड के बैटर्स ने सेरेंडर कर दिया। इस मुकाबले में स्टार्क ने 10 विकेट लिए। ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी उनकी कातिलाना गेंदबाजी देखने को मिली।

गांव-ढाणी तक मिल रहा गुणवत्तापूर्ण इलाज : सी.एम. भजनलाल शर्मा

चिकित्सा और स्वास्थ्य पर बजट पूर्व चर्चा हुई

- मुख्यमंत्री ने कहा बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें
- अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और संवेदना से जुड़ा क्षेत्र है। विगत दो वर्षों में राज्य सरकार ने अपने बजट में स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

आगे भी स्वास्थ्य के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया है। इससे गांव-ढाणी तक प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क उपचार मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और राजस्थान स्वास्थ्य में सिरमौर बने। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार 'पहला सुख निरोगी काया' अर्थात् स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा सुख होता है। इसी अवधारणा के साथ प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया गया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत औषधियां, सर्जिकल एवं सूचर्स उपलब्ध करवाने में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। जिला चिकित्सालयों में बुजुर्गों के लिए रामाश्रय वार्ड खोले हैं, जहां उन्हें सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि प्रदेश को प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मिल सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं और 15 नवीन मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निचले स्तर तक चिकित्सा सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। विगत दो वर्षों में 7 उप जिला अस्पताल, 2 सैटेलाइट अस्पताल, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कुल 14 संस्थानों का जिला चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन तथा 7 नवीन सैटेलाइट अस्पतालों की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि 129 उप स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में क्रमोन्नयन किया है। करीब 8 हजार 700 चिकित्सा संस्थानों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में परिवर्तित किया गया एवं 412 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित किए गए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी एवं आईएलबीएस हॉस्पिटल, नारायणा हरदयाल ग्रुप, महावीर विकलांग सेवा समिति, इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन, यूनीसेफ, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, आईएमए राजस्थान, एसएमएस मेडिकल कॉलेज एवं आरयूएचएस के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से जुड़े संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने किया रोजगार एवं उद्यिमता विभाग के हितधारकों से संवाद

- मुख्य सचिव ने आईटीआई अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों में संचालित ट्रेड्स तथा प्रस्तावित नए ट्रेड्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

जयपुर। राजस्थान में प्रधानमंत्री स्किलिंग और रोज़गार ट्रांसफॉर्मेशन (पीएम सेतु) के पायलट प्रोजेक्ट का इम्प्लीमेंटेशन किया जाएगा इसके पहले चरण में प्रोजेक्ट को भिवाड़ी, बालोतरा, भरतपुर, कोटा, बीकानेर, जोधपुर, बांसवाड़ा जिले को लेने की मंज़ूरी दी हैं।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के बेहतर शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

इसी दिशा में सरकार द्वारा समयबद्ध एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करते हुए सरकारी क्षेत्र में 4 लाख तथा निजी क्षेत्र में 6 लाख सहित कुल 10 लाख रोजगार सृजित करने के संकल्प पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में उद्योग-आईटीआई के बेहतर समन्वय, संस्थान प्रबंधन समितियों एवं आईटीआई के सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम सेतु हेतू पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के अधिक से अधिक आईटीआई को उद्योगों से जोड़ा जाए, जिससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ उद्योगों की व्यावहारिक समझ भी प्राप्त हो सकें।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों के नवाचारों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाया जाए तथा प्रदेश के आईटीआई को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। इस अवसर पर उन्होंने झालावाड़ आईटीआई को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए अन्य आईटीआई को भी इसी प्रकार कार्य कर शिक्षा के स्तर में निरंतर सुधार लाने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव ने संस्थान प्रबंधन समितियों को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े आईटीआई अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों में संचालित ट्रेड्स तथा प्रस्तावित नए ट्रेड्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी आईटीआई के दीक्षांत समारोह की जानकारी साझा कर उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रसारित करने के निर्देश दिए।

बैठक में संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग , पी. रमेश शासन सचिव श्रम विभाग,टीना सोनी शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग, ऋषभ मंडल, आयुक्त कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग, सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रदेश के विभिन्न जिलों के आईटीआई प्राचार्य एवं अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा एफएचटीआर के अध्यक्ष बने

जयपुर। फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज़्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) की वार्षिक आम सभा का 8 जनवरी को जयपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर सर्वसम्मति से नई प्रबंधन समिति का निर्वाचन किया गया, जिससे संगठन में एक नए नेतृत्व काल का शुभारंभ हुआ। एफएचटीआर के अध्यक्ष पद हेतु सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा का निर्वाचन किया गया, जबकि तरुण कुमार बंसल को महासचिव चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तथा संयुक्त सचिव हेमन्त मित्तल को नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई समिति राजस्थान के पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र को नवाचार, समन्वय तथा प्रभावी प्रतिनिधित्व के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जन स्वास्थ्य विभाग का अधीक्षण अभियंता आईफोन की रिश्वत लेते पकड़ा गया

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) में रिश्वतखोरी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश करते हुए झालावाड़ के अधीक्षण अभियंता (एसई) विष्णु चंद गोयल को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी ने परिवादी से बकाया बिल पास करने और परेशान न करने की एवज में 84 हजार रुपए कीमत का आईफोन एक्सआर मोबाइल रिश्वत के रूप में लिया। एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि झालावाड़ टीम को 5 जनवरी 2026 को एक ठेकेदार ने शिकायत दी थी। परिवादी ने बताया कि वह पीएचईडी खंड झालावाड़ में हैंडपंप रिपेयर,पाइपलाइन लीकेज सुधार और लैंड संपर्क से जुड़े कार्य कर रहा है। पूर्व में रजिस्ट्रेशन के नाम पर उससे 25 हजार रुपए वसूले जा चुके हैं। इसके बाद उसे व उसके पार्टनर को बार-बार परेशान कर काम से हटाने और डिबार करने की धमकियां दी जा रही थीं। परिवादी के अनुसार अगस्त माह से उससे आईफोन मोबाइल की मांग की जा रही थी। लेबर बिल को फर्जी बताकर भुगतान रोक दिया गया और त्योहारों पर 'कुछ नहीं देने' की बात कहकर दबाव बनाया गया। इस पर जब परिवादी अधीक्षण अभियंता विष्णु चंद गोयल से मिला तो उन्होंने बकाया बिल पास करने और भविष्य में परेशान न करने की एवज में आईफोन 16 प्रो मोबाइल की मांग की, जिसकी कीमत करीब 1.30 से 1.50 लाख रुपए बताई गई। शिकायत के आधार पर 7 जनवरी 2026 को रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन कराया गया, जिसमें मोबाइल फोन की रिश्वत मांग की पुष्टि हुई।

पंचायतों के पुनर्गठन को लेकर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में पंचायतों के पुनर्गठन से जुड़े मामलों को लेकर राज्य सरकार से 19 जनवरी तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह व जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश मुन्नालाल शर्मा सहित अन्य की याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

पंचायत पुनर्गठन से संबंधित संशोधित अधिसूचनाओं को चुनौती दी गई है। याचिकाओं में कहा कि पुनर्गठन की प्रक्रिया में नियमों व दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया है और इससे स्थानीय नागरिकों व पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों की अवहेलना हुई है। ऐसे में पंचायतों की सीमाओं में किए गए बदलावों से प्रशासनिक असुविधा होगी और आमजन को मूलभूत सुविधाओं तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पडेगा। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमान चौधरी, लक्ष्मीकांत मालपुरा और प्रदीप कलवानिया ने अदालत को बताया कि पंचायत पुनर्गठन की प्रक्रिया में जनसुनवाई और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया की अनदेखी कर संशोधित अधिसूचनाएं जल्दबाजी में जारी की हैं।

निशुल्क सोनोग्राफी कराने के लिए दिए कूपन

सीकर । जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में शुक्रवार नौ जनवरी को गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य की गई और निशुल्क सोनोग्राफी करवाने के लिए मॉ वाउचर योजना के तहत कूपन दिए गए। चिकित्सकों ने गर्भवती की जांच के साथ गर्भ में पल रहे शिशु तथा गर्भावस्था के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी।

जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विशाल सिंह ने बताया कि जिले में प्रत्येक माह की 9, 18, 27 तारीख को सभी जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है। चिकित्सालयों में गर्भवती की हिमोग्लोबिन, एचआईवी, सिफलिस, ब्लड प्रेशर, तापमान की जांच, हृदय स्पंदन व प्रसव से संबंधित जटिलताओं की जांच की जाती है। साथ विभाग के पीसीटीएस सॉफ्टवेयर में पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की एलएमपी तारीख के अनुसार दूसरी या तीसरी तिमाही वाली महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी कराने के लिए मॉ वाउचर योजना के तहत कूपन दिए गए, ताकि गर्भवती महिला कूपन के माध्यम से विभाग के अधिकृत किसी भी निजी सोनोग्राफी सेंटर पर अपनी सोनोग्राफी निःशुल्क करवा सके।

सीकर जिले में 214966 व्यक्तियों ने स्वैच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा

■ गिव अप अभियान में सीकर जिले में 1066 अपात्र लोगों को नोटिस जारी किये, जिनसे वसूली की कार्यवाही की जायेगी

सीकर । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिये कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाये ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके।

खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में निर्धारित मापदण्ड: परिवार जिसमें कोई आयकर दाता हो, परिवार जिसका कोई सदस्य सरकारी, अद्धर्सरकारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं में कर्मचारी हो, एक लाख रूपये से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय हो एवं परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रेक्टर आदि जीवीकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) निष्कासन सूची में शामिल है। जिला रसद अधिकारी सीकर विजेंद्र पाल ने बताया कि 1 नवम्बर 2024 से प्रारम्भ गिव अप अभियान में आज तक राजस्थान में 48 लाख 87 हजार व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा तथा सीकर जिले में 214966 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोडा है। गिव अप अभियान में सीकर जिले में 1066 अपात्र लोगों को नोटिस जारी किये गये, जिनसे वसूली की कार्यवाही की जायेगी।

गिव अप अभियान में अब प्रत्येक उचित मूल्य दुकान पर खाद्य विभाग के प्रवर्तन अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षक औचक निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस जारी करेंगे। प्रत्येक प्रवर्तन अधिकारी, निरीक्षक अब रोजना उचित मूल्य दुकानों पर पहुंचकर अपात्र व्यक्तियों की उचित मूल्य दुकानदारो के सहयोग से सूची तैयार करेंगे तथा वसूली एवं नोटिस संबंधी कार्यवाही भी करेंगे। खाद्य विभाग शीघ्र ही परिवहन विभाग से चार पहिया वाहन स्वामी का डाटा संकलित कर खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस जारी करेंगे और वसूली की कार्यवाही की जायेगी।

स्वामी गोपालदास की प्रेरणा से हुए कालजयी काम: त्रिभुवन

■ स्वामी गोपालदास की पुण्य तिथि पर मोहर सिंह राठौड़ (मरणोपरांत) को मिला स्वामी गोपालदास पुरस्कार 2026

चूरू। चूरू में जन जागृति के जन्मदाता, महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, सर्वहितकारिणी सभा एवं पुत्री पाठशाला व कबीर पाठशाला जैसे प्रकल्पों के संस्थापक स्वामी गोपालदास की पुण्यतिथि पर सर्व समाज की ओर से उन्हें याद किया गया। इस दौरान स्वामी गोपालदास चौक में आयोजित कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए पूर्व सांसद मोहर सिंह राठौड़ (मरणोपरांत) को स्वामी गोपालदास पुरस्कार-2026 प्रदान किया गया, जो उनके परिजनों ने ग्रहण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता त्रिभुवन ने कहा कि स्वामी गोपालदास द्वारा स्थापित सर्वहितकारिणी सभा के माध्यम से समाज चेतना के साथ-साथ चूरू के विकास के लिए अभूतपूर्व काम हुआ, यह अपने आप में उल्लेखनीय बात है। स्वामी गोपाल दास के जीवन और उनके आदर्शों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके कदमों पर चलने का प्रयास करना चाहिए। सर्वहितकारिणी सभा के माध्यम से आजादी से पहले और उसके बाद चूरू के विकास का जो काम हुआ है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में मोहर सिंह राठौड़ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि मोहर सिंह राठौड ने भामाशाहों और समाज के बीच में सेतू का कार्य किया। पूर्व सभापति रामगोपाल बहड ने कहा कि चूरू के विश्वसनीय और गणमान्य लोग यदि इस प्रकार की पहल करें तो प्रवासी जुड़ सकते हैं क्योंकि प्रवासियों को बस यह आष्वासन चाहिए कि उनके पैसे का समाज के हित में सदुपयोग होगा। प्रवासियों को मातृभूमि से कैसे जोड़ें, यह हमें प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता त्रिभुवन ने स्वामी गोपालदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को प्रेरणास्पद बताया और कहा कि अच्छी बात है कि चूरू के लोग इस तरह से अपने महापुरुषों को याद करते हैं और अपने मन में इस प्रकार कृतज्ञता रखते हैं। यहां स्वामी गोपालदास ने एक तरफ स्वाधीनता आंदोलन के लिए काम किया, वहीं समाज के विशेष तबकों के लिए काम किया और पर्यावरण संरक्षण व शहर के विकास की दिशा में भी अभूतपूर्व प्रयास किए। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक दलीप सरावग ने स्वागत करते हुए कहा कि स्वामी गोपालदास ने अंतिम छोर के व्यक्ति को अपना लक्ष्य बनाकर काम किया और यह प्रयास किया कि शिक्षा और विकास का उजियारा हर बस्ती, हर व्यक्ति तक पहुंचे। भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओम सारस्वत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कि कहा स्वामी गोपालदास जैसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। हमारा यह दायित्व है कि इन महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज को आगे बढ़ाएं। मोहन आर्य ने स्वामी गोपालदास द्वारा जनहित के लिए सर्वहितकारिणी सभा के माध्यम से किए गए कार्यों को कालजयी बताया और कहा कि स्वामी गोपालदास दूरदृष्टा महापुरुष थे। वे समय से बहुत आगे की सोच के व्यक्तित्व थे। शिक्षाविद प्रोफेसर कमल कोठारी ने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ समाज के लिए बेहतर काम करने वाले व्यक्तियों को पुरस्कृत करना और स्वामी गोपालदास जैसे महापुरुषों को याद करना गौरव की बात है। लच्छू राम पूनियां ने मोहर सिंह राठौड़ का जीवन परिचय प्रस्तुत करते हुए उन्हें विकास पुरुष बताया और कहा कि मोहर सिंह राठौड़ जननेता थे। उन्होंने मरदा परिवार, सारडा परिवार, सुराणा परिवार को प्रेरित कर चूरू में अनेक स्कूल खुलवाए। भरतिया परिवार को प्रेरित कर अस्पताल खुलवाया।

भूदान आंदोलन में अपनी भूमि दान की: उन्होंने अपनी मेहनत व लगन से अपना एक व्यक्तित्व, एक मुकाम बनाया और समाज को लौटाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शिक्षा, चिकित्सा, भूकंप, सूखा, बाढ़ राहत सहित विभिन्न क्षेत्रों में समाज के लिए हमेशा बेहतर किया है। पूर्व प्रधान रणजीत सातड़ा ने स्वामी गोपालदास द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए चूरू के चारों तरफ बीहड़ भूमि रखवाने का उल्लेख करते हुए बताया कि स्वामी गोपालदास अपने कंधों पर पानी ले जाकर पौधों को सींचते थे। स्वामी गोपालदास सच्चे गौभक्त थे। पृथ्वी सिंह राठौड़ ने सम्मान के लिए आभार प्रकट करते हुए स्वामी गोपालदास और मोहर सिंह राठौड़ के कार्यों से प्रेरणादायक बताया। विक्रम सिंह ने मोहर सिंह राठौड़ के जीवन से प्रेरणा लेकर जन सेवा कार्य करने की भावना व्यक्त करते हुए सम्मान के लिए आभार प्रकट किया।

नीतू का कांस्टेबल भर्ती में चयन

झुंझुनूं,। प्रतापपुरा के गांव चारणवास की नीतू कुमारी ने राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। आवाम ग्रुप झुंझुनूं एवं एफर्ट्स टीम के आर्थिक सहयोग से मिली छात्रवृत्ति और नीतू की कड़ी मेहनत ने उन्हें राजकीय सेवा में चयन दिलाया। नीतू ने बताया कि उन्होंने आवाम ग्रुप से मिली छात्रवृत्ति के आधार पर द प्रकाश कोचिंग सीकर के मार्गदर्शन में रहकर तैयारी की। जिसके बाद उन्होंने राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में सफलता हासिल की। नीतू का कहना है कि वे पुलिस में उच्च अधिकारी के रूप सेवा दे इसके लिए भी आगे प्रयास करती रहूंगी। उन्होंने बताया कि पुलिस में आकर अब समाज में सामाजिक सुधार और विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बेहतर प्रयास करूंगी।

मनरेगा कार्यों में अनियमितता पर लोकपाल की सख्त कार्रवाई

सीकर । लोकपाल (मनरेगा), जिला परिषद, सीकर हरिराम ने बताया कि ग्राम पंचायत मोरडूंगा (पंचायत समिति धोद) के अंतर्गत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2025/मनरेगा के दिशा-निर्देशों के पालन सम्बन्धी विस्तृत जांच की गई। उपलब्ध साक्ष्यों और दस्तावेजों के अवलोकन से स्पष्ट हुआ है कि ग्राम विकास अधिकारी व कनिष्ठ सहायक ग्राम पंचायत मोरडूंगा द्वारा नरेगा कार्य पर गुरुवार को (साप्ताहिक अवकाश के दिन) पर श्रमिक की उपस्थिति दर्ज करके व नियोजित करके, राज्य सरकार के आदेशों, विभागीय दिशा-निर्देशों की पालना समय पर नहीं करने एवं मस्टर रोल में काट-छांट करके रुपये 250 रूपये का मूल्यांकन से अधिक भुगतान किया गया है तथा कनिष्ठ तकनीकी सहायक द्वारा पर्यवेक्षणीय लापरवाही एवं माप पुस्तिका में कार्य का माप इंद्राज करने के उपरांत हस्ताक्षर के साथ नाम मय पदनाम की सील नहीं लगाने के दोषी पाए जाने पर नियमानुसार वसूली एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी अधिनियम 2025 के तहत सुनील तेतरवाल ग्राम विकास अधिकारी एवं धर्मद्र सैनी कनिष्ठ सहायक ग्राम पंचायत मोरडूंगा पचायत समिति घोद से मूल्यांकन राशि से अधिक भुगतान राशि 250 रूपये की वसूली की जाएगी, जिसमें से प्रत्येक से 125 रूपये की पृथक-पृथक वसूल किए जाएंगे।

सुनीत तेतरवाल ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मोरडूंगा पंचायत समिति धोद के राशि रुपय 1000 रूपये की शास्ति अधिरोपित की जाती है। धर्मेद्र सैनी कनिष्ठ सहायक ग्राम पंचायत मोरडूंगा पंचायत समिति धोद के राशि रुपये 1000 रूपये की शास्ति अधिरोपित की जाती है। दामोदर चेजारा कनिष्ठ तकनीकी सहायक (कलस्टर मोरडूंगा) पंचायत समिति धोद से 1000 रूपये की शास्ति अधिरोपित की जाती है।

उन्होंने बताया कि उपस्थिति दर्ज करने वाले श्रमिक अर्जुन राम की तत्काल ब्लॉक एवं ब्लैकलिस्ट की जाये। दोषी कर्मचारियों से राज्य सरकार के निर्देशानुसार मूल्यांकन से अधिक भुगतान तथा शास्ति राशि की वसूली कर 30 दिवस के भीतर राजकोष में जमा करवाई जाये। तत्पश्चात अनुपालन रिपोर्ट लोकपाल कार्यालय को प्रेषित की जाये।

विराट हिंदू सम्मेलनों को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए खंड बैठक आयोजित

गुढ़ागौड़जी, । आगामी 25 जनवरी से 15 फरवरी तक विराट हिंदू सम्मेलनो के आयोजन को लेकर गुढ़ागौड़जी के नीलकंठ महल मैरिज गार्डन में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिला प्रचार प्रमुख सुभाष ने बताया कि बैठक में गुढ़ागौड़जी खंड के अंतर्गत आने वाले 13 मंडलों और 76 गांवों के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य संघ के शताब्दी वर्ष में सभी मंडलों पर प्रस्तावित विराट हिंदू सम्मेलन को भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा करना रहा। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में सम्मेलन की रूपरेखा तैयार की गई। आयोजन की व्यवस्थाओं, जनसंपर्क, सहभागिता और कार्यक्रम की भव्यता को लेकर विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ झुंझुनूं विभाग के विभाग प्रचारक मुकेश कुमार, विभाग सह कार्यवाह मनोज, झुंझुनूं जिला संघ चालक मानसिंह, जिला प्रचारक भगतसिंह, गुढ़ा खंड कार्यवाह विवेक गुर्जर व खंड संघ चालक डॉ. संदीप चौधरी ने अपने विचार रखें। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि विराट हिंदू सम्मेलन सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना, राजनीति भेद से ऊपर उठकर संपूर्ण हिंदू समाज का और संगठनात्मक एकता का प्रतीक होगा। सभी उपस्थितजनों ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में विश्व हिंदू परिषद के रामानंद पाठक केड, भारतीय जनता पार्टी के वीरपालसिंह, पवन शर्मा गुढ़ागौड़जी, जुगल शाह, प्रदीप गुर्जर, भारतीय मजदूर संघ के ईश्वर हुकुमपुरा, बजरंग दल के राकेश सहित विक्रमसिंह, रोहिताश शर्मा, चिरंजीलाल शर्मा, संजय जांगिड़, अभिनवसिंह शेखावत, अनिल कुमावत, धूम्रपाल कुमावत, विकास शर्मा, प्रशांत शर्मा, चेतन कुमावत, प्रकाश सैनी, दीपक खंडेलवाल, रामजस जांगिड़, लोकेश असवाल, जयप्रकाश शर्मा, रवि रेपस्वाल, रामसिंह पौंख, रवि शर्मा दूड़िया, अंकेश पोसाना, सांवरमल रेपस्वाल, पंकज किशोरपुरा, विश्वनाथ सोती हुकुमपुरा, सुरेश शर्मा, राजीव दायमा, राकेश दाधीच के साथ-साथ गुढ़ागौड़जी के 13 मंडलों से आए गणमान्य नागरिकों एवं मातृशक्ति ने भी भाग लिया।

नेत्रदान से दो लोगों के जीवन में बिखरेगा उजियारा

सरदारशहर। मानवता और सेवा की भावना को चरितार्थ करते हुए श्रीडूंगरगढ़ के आडसर बास निवासी चन्दा देवी मालू ने मरणोपरांत दुनिया को अपनी आँखों का उपहार दिया है। शुक्रवार को 65 वर्ष की आयु में चन्दा देवी का निधन हो गया, जिसके बाद उनके पति हुलासमल मालू और परिजनों ने उनकी आँखें दान करने का अनुकरणीय निर्णय लिया। इस पुनीत कार्य को संपन्न करने के लिए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान (चूरू चैप्टर) और प्राणनाथ हॉस्पिटल, सरदारशहर के नेत्र संग्रह केंद्र की टीम सक्रिय हुई। कड़ाके की ठंड के बावजूद तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत और दिनेश शर्मा ने श्रीडूंगरगढ़ पहुँचकर सफलतापूर्वक नेत्र संग्रह किया। केंद्र के समन्वयक गणेशदास स्वामी ने बताया कि सरदारशहर केंद्र के माध्यम से यह 25वां नेत्रदान संपन्न हुआ है।

हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

■ जिला कलेक्टर के साथ केजड़ीवाल, पाटोदिया, तुलस्यान व केडिया रहे मौजूद

झुंझुनूं, जिला मुख्यालय स्थित शहर के प्रतिष्ठित महाविद्यालय सेठ मोतीलाल पीजी कॉलेज में संस्थापक सेठ मोतीलाल झुंझुनूंवाला की स्मृति में अखिल राजस्थान अंतर महाविद्यालय मोती हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता जिसका विषय कृत्रिम बुद्धिमता के विकास से मानवता को मदद मिलेगी पर आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. अरुण कुमार गर्ग, विशिष्ट अतिथि मोतीलाल शिक्षण संस्थान पूर्व छात्र समिति के अध्यक्ष एडवोकेट श्रवण केजड़ीवाल, सचिव सीए पवन केडिया, सह सचिव डॉ. डीएन तुल्यस्यान, कोषाध्यक्ष सीए मनीष मित्तल, श्री गोपाल गौशाला के मंत्री प्रदीप पाटोदिया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. आरएस निर्वाण ने की। प्राचार्य ने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। इस प्रतियोगिता के आयोजक सेठ मोतीलाल शिक्षण संस्थान पूर्व छात्र समिति एवं कन्हैयालाल पौद्दार सीथल वाले रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने डॉ. अरुण कुमार गर्ग ने अपने उद्बोधन में हार एवं हताशा को अलग-अलग रखते हुए निरंतर सीखने एवं दृढ इच्छा के साथ आगे सही पथ पर लगातार आगे बढने के लिए प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि श्रवण केजड़ीवाल ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के सतत विकास के लिए सही लक्ष्य का चयन कर पूर्ण एकाग्रता से अध्ययन करने एवं श्रेष्ठ परिणाम देने के लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता मे विभिन्न महाविद्यालय के 54 प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष एवं विपक्ष मे अपने विचार रखे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एसपीके महिला बीएड कॉलेज के प्रियांशु, द्वितीय स्थान मरूधरा बीएड कॉलेज के सुनिलकुमार, तृतीय स्थान जीएचएस कॉलेज चुरू की योगिता ढूकिया ने प्राप्त किया। चल वैजयंती सर्वाधिक अंक प्राप्त कर जीएसएस कॉलेज चिड़ावा ने प्राप्त की। प्रथम विजेता को 11 हजार रूपए, द्वितीय स्थान को 7100 रूपए एवं तृतीय स्थान को 3100 रूपए नगद एवं सभी प्रतिभागियों को 200 नगद सांत्वाना पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रबंध समिति सचिव जीएल शर्मा ने सभी विजेताओं को बधाई एवं शुभकामना प्रेषित की। इस प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप डॉ. पूनम शर्मा, डॉ. विकस भड़िया एवं मुकेश कृष्णियां उपस्थित रहे।

कांग्रेस का मनरेगा बचाओ संग्राम जनआंदोलन आज से

झुंझुनूं, । एआईसीसी के आ ान पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशन में पूरे प्रदेश में कांग्रेस का मनरेगा बचाओ संग्राम जनआंदोलन 10 जनवरी से शुरू होगा। ग्रामीण आजीविका की रीढ़ मनरेगा कांग्रेस सरकार द्वारा लाया गया एक महत्वपूर्ण कानून है। जो रोजगार की गारंटी देता है। मंडावा विधायक व कांग्रेस जिलाध्यक्ष रीटा चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इसमें विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत पहले दिन 10 जनवरी को जिला मुख्यालय पर इस अभियान की औपचारिक शुरुआत के लिए दोपहर दो बजे सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता होगी। इसके बाद दूसरे दिन 11 जनवरी जिला मुख्यालय पर सार्वजनिक स्थल पर महात्मा गांधीजी और डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं के सम्मुख सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक एक दिवसीय उपवास रखा जाएगा। वहीं तीसरे दिन 12 जनवरी से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायतों में चौपालों और जनसंपर्क कार्यक्रमों का आयोजन, विधानसभा स्तर पर नुक्कड सभाओं का आयोजन, साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पत्रों का मनरेगा श्रमिकों तक वितरण किया जाएगा। कार्यक्रमों के इसी क्रम में 30 जनवरी पंचायती राज संस्थाओं के वार्डों और ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा शांति पूर्ण धरना प्रदर्शन तथा 31 जनवरी से छह फरवरी तक जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा धरना प्रदर्शन और अंत में इस वीबी-ग्राम-जी विधेयक को वापस लेने और मनरेगा को मूल स्वरूप में ही रखे जाने की मांग करते हुए ज्ञापन दिया जाएगा।

सार-समाचार

कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 से

सीकर । चिकित्सा विभाग की ओर से स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 जनवरी से शुरू किया जाएगा। अभियान के तहत 13 फरवरी तक कुष्ठ जन जागरूकता संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि अभियान के तहत भेदभाव का अंत एवं गरिमा सुनिश्चित करना थीम पर आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में सभी बीसीएमओ तथा चिकित्सा प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि 30 जनवरी को जनता के नाम कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता संदेश दिया जाएगा तथा इस दिन होने वाली ग्राम सभा में सरपंच व ग्राम सभा के सदस्यों से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों से भेदभाव दूर करने की अपील की जाएगी और असमाना से मुक्ति कुष्ठ प्रभावित रोगी को ग्राम सभा में विशिष्ठ अतिथि बनाया जाएगा। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि अभियान के तहत 30 जनवरी से 13 फरवरी तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत 31 जनवरी को जिला व ब्लॉक मुख्यालयों पर स्कूलों में होने वाली प्रार्थना सभा में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा कुष्ठ रोग की जानकारी दी जाएगी।

पुनरीक्षण कार्यक्रम 10 व 11 को

सीकर । निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) सीकर निखिल कुमार ने बताया कि निर्वाचन विभाग जयपुर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) सीकर मुकुल शर्मा के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 की गतिविधियों के तहत 10 जनवरी से 11 जनवरी 2026 को मतदान केन्द्र पर विशेष शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें पंजीकरण एवं संशोधन से संबंधित विभिन्न आवेदन पत्र प्राप्त करने के निर्देश प्राप्त हुए है। विधानसभा क्षेत्र सीकर में नियुक्त समस्त बीएलओं, सुपरवाईजर को निर्देशित किया है कि 10 जनवरी से 11 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक मतदान केन्द्र पर उपस्थित होकर शत प्रतिशत नव मतदाताओं का ऑनलाईन पंजीकरण करना सुनिश्चित करें।

एकल गायन प्रतियोगिता

झुंझुनूं,। सेठ नेतराम मगराज टीबड़ेवाला राजकीय महिला महाविद्यालय में सांस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत समूह नृत्य एवं एकल गायन प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्य किशोर कुमार ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यवाहक प्राचार्य किशोर कुमार ने कहा कि सह-शैक्षिणक गतिविधियाँ छात्राओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे छात्राओं में आत्मविश्वास के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता का विकास होता है। सहायक आचार्य सुनीता बाबल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से छात्राओं में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं कौशल का विकास होता है, जो उनके भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होता है। समूह नृत्य प्रतियोगिता में कोमल शर्मा समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि हर्षवी एवं नूपुर समूह ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा मीनाक्षी समूह एवं निशा समूह ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। एकल गायन प्रतियोगिता में प्रिया कंवर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चमन प्रकाश एवं जय सैनी ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा नीलम स्वामी एवं मोनिका ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ग्रामीण महिला महाविद्यालय रही फुटबॉल में विजेता

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी । ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान समिति सीकर द्वारा संचालित ग्रामीण महिला महाविद्यालय शिवसिंहपुरा सीकर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में ग्रामीण महिला महाविद्यालय विजेता रही।दो दिवसीय फुटबॉल महिला प्रतियोगिता में 7 टीमों ने भाग लिया। जिसमें ग्रामीण महिला महाविद्यालय टीम ने एस आर आर एस राजकीय महाविद्यालय को 5-1 से पराजित कर जीत का परचम लहराया ।

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/6382-84 दिनांक : 06.01.2026

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 06.01.2026 से दिनांक 19.01.2026 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 20.01.2026 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान ष्डण्क्प् त्ैस् श्रंपचनतष् के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A9924

UBN:- DLB2526WSOB29431, DLB2526WSOB29432, DLB2526WSOB29434, DLB2526WSOB29442, DLB2526WSOB29443, DLB2526WSOB29445, DLB2526WSOB29447, DLB2526WSOB29448, DLB2526WSOB29449, DLB2526WSOB29450, DLB2526WSOB29451, DLB2526WSOB29452, DLB2526WSOB29455, DLB2526WSOB29469, DLB2526WSOB29476, DLB2526WSOB29480, DLB2526WSOB29488, DLB2526WSOB29501, DLB2526WSOB29502, DLB2526WSOB29503, DLB2526WSOB29504, DLB2526WSOB29506, DLB2526WSOB29507, DLB2526WSOB29509, DLB2526WSOB29510, DLB2526WSOB29511, DLB2526WSOB29512, DLB2526WSOB29513, DLB2526WSOB29514, DLB2526WSOB29515, DLB2526WSOB29516, DLB2526WSOB29518, DLB2526WSOB29519, DLB2526WSOB29520, DLB2526WSOB29521, DLB2526WSOB29525, DLB2526WSOB29528, DLB2526WSOB29529, DLB2526WSOB29530, DLB2526WSOB29533, DLB2526WSOB29535, DLB2526WSOB29539, DLB2526WSOB29543, DLB2526WSOB29544, DLB2526WSOB29546, DLB2526WSOB29547, DLB2526WSOB29548, DLB2526WSOB29549, DLB2526WSOB29550, DLB2526WSOB29551, DLB2526WSOB29553, DLB2526WSOB29554, DLB2526WSOB29557, DLB2526WSOB29560, DLB2526WSOB29563, DLB2526WSOB29576, DLB2526WSOB29577, DLB2526WSOB29578, DLB2526WSOB29579, DLB2526WSOB29580, DLB2526WSOB29581, DLB2526WSOB29583, DLB2526WSOB29584, DLB2526WSOB29587, DLB2526WSOB29588, DLB2526WSOB29589, DLB2526WSOB29593, DLB2526WSOB29594, DLB2526WSOB29595, DLB2526WSOB29596, DLB2526WSOB29597, DLB2526WSOB29598, DLB2526WSOB29599, DLB2526WSOB29601, DLB2526WSOB29604, DLB2526WSOB29605, DLB2526WSOB29606, DLB2526WSOB29607, DLB2526WSOB29608, DLB2526WSOB29609, DLB2526WSOB29610

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रतनगढ़

राज.संवाद/सी/25/17342

उत्तर पश्चिम रेलवे

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 REGD. No. D.L.-33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-आर.जे.-अ.-02012026-269055
CG-RJ-E-02012026-269055
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)
PART II - Section 3 - Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 03] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 1, 2026/पौष 11, 1947
No. 03] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 1, 2026/PAUSHA 11, 1947

रेल मंत्रालय
[उत्तर-पश्चिम रेलवे (निर्माण संगठन)]
अधिसूचना
जयपुर, 31 दिसम्बर, 2025

का.आ. 03(अ).-केंद्रीय सरकार ने रेलवे (अमेंडमेंट) अधिनियम 2008 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा (2) के खंड (7क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिनियम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (4) जिले के संबंध में राजस्थान राज्य में चुरू बाईपास लाइन (4.848) कि.मी. की विशेष रेल परियोजना के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और संचालन के लोक प्रयोजन के लिए स्तम्भ (2) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त अधिनियम के अधीन ऐसे प्राधिकारी के रूप में कृत्यों का निर्वहन करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में प्राधिकृत करती है।

सारणी

क.सं.	सक्षम प्राधिकारी	तहसील	जिला
1	2	3	4
1	उप खण्ड अधिकारी, चुरू	चुरू	चुरू

[फा. सं. ऊपरे/मुख्यालय/एस एंड सी/443599200 भाग-23]
राजीव श्रीवास्तव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें 55-PM/26

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/207 चूंकि प्रार्थी श्री बजरंग लाल रणवा, डाकोतो का मोहल्ला, लोसल छोटी, सीकर, राजस्थान 332025 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास शेखावाटी स्वास्थ्य शिक्षा समिति, किसान मार्ग, नवलगढ़ रोड, सीकर, राजस्थान- 332001 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.03.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/206 चूंकि प्रार्थी श्री बजरंग लाल रणवा, डाकोतो का मोहल्ला, लोसल छोटी, सीकर, राजस्थान 332025 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास शेखावाटी पब्लिक स्कूल समिति, लोसल, पुलिस स्टेशन के पास, सीकर, राजस्थान-332025 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.03.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/209 चूंकि प्रार्थी श्री सुशीला 159, किशन कॉलोनी वार्ड नं.42 सीकर राजस्थान 332001 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास शेखावाटी बालिका शिक्षा निकेतन, सीकर रोड छोटी लोसल, लोसल एस.ओ. सीकर, राजस्थान-332025 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.03.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

आम सूचना

यह कि मैं सुल्तान सिंह जांगिड़ पुत्र स्व. श्री रामेश्वर लाल जांगिड़ निवासी ग्राम लालपुर तहसील व जिला झुन्झुनू राजस्थान जो कि मेरे खातेदारी की 6.31 बीघा जमीन खसरा सं. 892 वाके ग्राम लालपुर जिला झुन्झुनू खातेदारी की जमीन का विक्रय पत्र माह अक्टूबर 2025 में रेखा पत्नी राजेन्द्र स्वामी, गोपाल पुत्र सीताराम स्वामी एवम् सत्यवीर पुत्र सीताराम स्वामी निवासी लालपुर जिला झुन्झुनू के नाम से किया था जिसकी रजिस्ट्री झुन्झुनू के पंजीयक कार्यालय में दिनांक 15.12.2025 को बिना किसी दबाव के उपरोक्त तीनों के नाम से करवा दी है। रजिस्ट्री के उपरांत माह अक्टूबर 2025 में किया गया विक्रय पत्र निरस्त समझा जावे। इस संबंध में किसी भी दीगर व्यक्ति/केता को आपत्ति हो तो 07 दिवस में मुझसे सम्पर्क करें बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति ऐतराज की जिम्मेदारी मुझ प्रार्थी की नहीं होगी।

सुल्तान सिंह जांगिड

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना

वरि. मंडल बिजली इंजीनियर / सामान्य, उ. प. रेलवे बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता :** http://www.ireps.gov.in, **2. ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय:** 23.01.2026 को 15:00 बजे तक, **3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय:** 23.01.2026 को 15.00 बजे के बाद, **निविदा सं.:** 32-इलेक्ट/बीकेएन/ ई-निविदा/ 25-26, **कार्य का विवरण:** Power Supply Strengthening by Provision of Spare Cables, Transformers & other associated items viz LT/HT Panels at Major Colonies 11 major load centers (BKN, LGH, SOG, HMH, SGNR, SSA, HSR, BNW, SDLP, CUR & RTGH) of BKN Div., **अनुमानित लागत:** ₹1,90,20,834/-, **धरोहर रूपये:** ₹2,45,100/-, **निविदा दस्तावेज लागत:** Nil

65-PS/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/202 चूंकि प्रार्थी श्री GULJHARI LAL SHARMA, A-4, SATYAM AYODYA NAGAR, BAGAR ROAD, WARD NO. 51, JHUNJHUNU-333001 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास सेठ जूथा लाल एजुकेशन सोसायटी SETH JUTHA LAL EDUCATION SOCIETY, C/O SETH MOTILAL P.G. COLLEGE, OPPOSITE RANI SATI MANDIR, JHUNJHUNU-333001 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19.03.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

जनजाति क्षेत्र से जुड़े सुझावों को बजट में समाहित किया जाएगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शुक्रवार को जनजाति विकास के हितधारकों के साथ बजट पूर्व चर्चा की

जयपुर, 9 जनवरी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जनजाति विकास के हितधारकों के साथ बजट पूर्व चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं का

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बेणेश्वर धाम व मानगढ़ धाम को ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के अन्तर्गत विकसित किया जा रहा है। बेणेश्वर धाम में सोम, माही व जाखम नदी के संगम पर विशाल आदिवासी मेले को और भव्य बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जनजाति विकास के हितधारकों के साथ बजट पूर्व चर्चा की।

समाज से विशेष जुड़ाव होता है और वे समाज की चुनौतियों और आवश्यकताओं से भली-भांति परिचित होती हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनजाति क्षेत्र से जुड़े सुझावों को आगामी बजट में समाहित करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे प्रदेश में जनजाति कल्याण को नई दिशा मिल सके।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनजाति संस्कृति तथा वैभव को संरक्षित करने के साथ ही पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। हमारी सरकार बेणेश्वर धाम तथा मानगढ़ धाम को ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के अंतर्गत विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि बेणेश्वर धाम में सोम, माही और जाखम नदी के संगम पर विशाल आदिवासी मेले को और भव्य बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिससे नई पीढ़ी को जनजाति इतिहास और संस्कृति से जोड़ा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने गत बजट में जनजाति विकास कोष की राशि को एक हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर एक हजार 750 करोड़ रुपये करने की घोषणा की।

बैठक में उदयपुर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, सलूंबर, बारां, सिरोही सहित, प्रदेश के विभिन्न जिलों के जनजाति कल्याण से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं और संस्थाओं ने जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में शिक्षा, चिकित्सा, आधारभूत संरचना, रोजगार, सिंचाई सहित, जनजाति कल्याण से जुड़े विषयों पर सुझाव दिए।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव जनजाति क्षेत्रीय विकास कुंजी लाल मीणा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित, संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं जनजाति क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रुस के जब्त किए टैंकर से दो लोगों की रिहाई

मास्को, 09 जनवरी। रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सेना द्वारा पकड़े गए रूसी ध्वज वाले तेल टैंकर मैरिनेरा के रूसी चालक दल के दो सदस्यों को रिहा करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले का स्वागत किया है।

मंत्रालय ने जारी किए एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह कदम क्रेमलिन के एक अनुरोध के जवाब में उठाया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, हम इस फैसले का स्वागत करते हैं और अमेरिकी नेतृत्व के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

- **ये दोनों व्यक्ति रशियन हैं और रुस ने इनकी रिहाई के लिए ट्रंप को धन्यवाद कहा।**

इससे पहले, बुधवार को अमेरिकी यूरोपीय कमान ने स्कॉटलैंड के उत्तर पश्चिम में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मैरिनेरा को जब्त करने की घोषणा की थी। अमेरिकी युद्धपोतों ने कैरिबियन सागर से ही इस टैंकर का पीछा किया था। बेला वन, के पुराने नाम वाले इस टैंकर को वेनेजुएला के तेल निर्यात से संबंधित अमेरिकी प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन के आरोप में रोका गया था। इस जहाज पर कुल 28 लोग सवार थे जिनमें दो रूसी, 17 यूक्रेनी, तीन जॉर्जियाई और तीन भारतीय नागरिक शामिल हैं। अमेरिका ने पिछले साल के अंत में इस टैंकर पर तब नजर रखनी शुरू की थी जब इसने वेनेजुएला के पास जाने की कोशिश की थी। उस समय टैंकर के कप्तान ने अमेरिकी कोस्ट गार्ड की जहाज पर चढ़ने की मांग को ठुकरा दिया था और अटलांटिक महासागर की ओर अपना रास्ता बदल लिया था।

खाजूवाला के पास ढाई करोड़ रूपए की हैरोइन पकड़ी

बीकानेर, 9 जनवरी (निसं)। भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत खाजूवाला पुलिस और बीएसएफ को बड़ी सफलता मिली है। खाजूवाला उपखंड क्षेत्र के चक 40 केजेडी इलाके में पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने करीब आधा किलो हेरोइन जब्त की है। जब्त की गई हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब ढाई करोड़ रुपए बताई जा रही है। कार्रवाई बीएसएफ बीकानेर इंटेलिजेंस से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हेरोइन ड्रोन के जरिए सीमा पार से फेंकी गई थी। हालांकि इस मामले में फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, बीते कुछ दिनों से बीएसएफ की जी ब्रांच को बॉर्डर एरिया में हेरोइन तस्करी को लेकर लगातार इनपुट मिल रहे थे। खासतौर पर घने कोहरे के चलते तस्करों द्वारा

- **घने कोहरे की आड़ में सीमा पार से ड्रोन द्वारा यह हैरोइन फेंकी गई थी।**

ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ भेजे जाने की आशंका जताई जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए बीएसएफ इंटेलिजेंस पूरी तरह सतर्क थी और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन की रणनीति बनाई गई। अलसुबह खाजूवाला पुलिस और बीएसएफ की टीम ने चक 40 केजेडी क्षेत्र में संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी के दौरान एक संदिग्ध पैकेट मिला, जिसे खोलने पर उसमें करीब 500 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। तुरंत मौके पर मौजूद अधिकारियों को सूचना दी गई और क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान खाजूवाला सीओ अमरजीत चावला और खाजूवाला थाना एसएचओ सुरेन्द्र प्रजापत के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। बीएसएफ के जवानों ने भी इलाके में गश्त बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस और बीएसएफ की टीमें आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चला रही हैं, ताकि तस्करों का कोई सुराग मिल सके।

पुलिस द्वारा जब्त किए गए पैकेट पर एक गोल मुहर लगी हुई है। मुहर पर '111' और '2023' अंकित है। इसके अलावा मुहर पर एक लॉयन की आकृति बनी हुई है और साथ में अंग्रेजी में लायन लिखा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियां इस मुहर के जरिए तस्करी नेटवर्क से जुड़े सुराग जुटाने में लगी हुई हैं। मामले के बाद से सीमा क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। ड्रोन मूवमेंट पर कड़ी नजर रखी जा रही है और रात के समय गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े लोगों तक पहुंचने के प्रयास किए जाएंगे। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और बरामद हेरोइन को सुरक्षित रखवाया गया है।

रुस ने यूक्रेन पर हाइपरसोनिक मिसाइल दागी

मास्को, 09 जनवरी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि रूसी सेना ने ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का उपयोग करते हुए यूक्रेन की महत्वपूर्ण सुविधाओं पर बड़ा हमला किया। मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में उच्च सटीकता वाले लंबी दूरी की जमीनी एवं समुद्री हथियारों के साथ-साथ लड़ाकू ड्रोन भी शामिल थे। इसने आगे कहा कि लक्ष्यों में ड्रोन उत्पादन सुविधाएं और यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक परिसर के संचालन में सहायक ऊर्जा अवसंरचना शामिल थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल उच्च गति प्राप्त करने में सक्षम है। नवंबर 2024 में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पुष्टि की थी कि रूस ने मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया और यूक्रेन के निप्रो शहर में लक्ष्यों को निशाना बनाया। मंत्रालय ने कहा कि यह हमला 30 दिसंबर, 2025 की रात नोवगोरोड क्षेत्र में राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर लंबी दूरी के हमलावर ड्रोनों द्वारा किए गए कथित यूक्रेनी हमले के जवाब में किया गया।

संसद का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का अभिभाषण होता है और उसके बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों की परंपरा के अनुसार, इसके अलगे दिन एक फरवरी को बजट पेश किया जाता है।

पहले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर और बजट पर चर्चा होती है। इसके बाद अवकाश के दौरान संसद की समितियां बजट पर मंत्रालय-वार विस्तृत चर्चा करती हैं। दूसरे चरण में वित्त विधेयक और अनुदान मांगों पर चर्चा होती है और उन्हें पारित किया जाता है।

आई पैक पर ईडी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंघवी ने कहा, ''ईडी अब राजनीतिक सलाहकारों पर छापे मार रहा है, क्योंकि वह तथ्यों, सच्चाई या विश्वसनीयता पर छापे मारने में असफल हो चुका है। कोलकाता में आई पैक पर छापा भाजपा के दबाव की नीति का एक और उदाहरण है। जब लोकतंत्र असुविधाजनक हो जाता है, तो एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।''

संयोगवश, सिंघवी ने कई हाई प्रोफ़ाइल मामलों में ममता सरकार का सुप्रीम कोर्ट और कलकत्ता उच्च न्यायालय में प्रतिनिधित्व किया है।

हालांकि, इस मामले पर राज्य कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पांच बार के लोकसभा सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने एक बिलकुल अलग राय व्यक्त की, जिन्होंने ईडी की कार्रवाई के प्रति ममता बनर्जी की घबराहट पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री को आई पैक के बारे में क्यों सिरदर्द हो रहा है? इसके पीछे निश्चित रूप से कोई रहस्य है।'' संयोगवश, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता, सुवेन्दु अधिकारी ने भी गुरुवार को वही सवाल उठाया था, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ ईडी की छापेमारी के दौरान जैन के आवास और आई पैक कार्यालय में घुसीं और कथित तौर पर कुछ फाइलें और इलैक्ट्रॉनिक दस्तावेज़ लेकर वहां से निकलीं।

अधिकारी ने कहा, ''मुख्यमंत्री को एक निजी कॉर्पोरेट इकाई के कार्यालय पर ईडी के छापे को लेकर इतनी चिंता क्यों हो रही है?'' ज्ञातव्य है कि आई पैक सन् 2020 से ही तृणमूल कांग्रेस के लिए वोट-रणनीति एजेंसी के रूप में काम कर रहा है।

'जोधपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वे जेल में चल रहे भ्रष्टाचार से मुंह नहीं मोड़ सकते। अदालत ने कहा कि इस मामले में भी यह पता लगाना अत्यन्त आवश्यक है कि कैदी कौन से सेल में बंद था, जब उस पर जानलेवा हमला हुआ, उसके साथ और कौनसे कैदी बंद थे, और उस सेल की निगरानी करना किस जेल अधिकारी की जिम्मेदारी थी। अदालत ने अपने आदेश में जांच के अनौपचारिक रवैये को देखते हुए कहा कि समय के साथ साक्ष्य और तथ्य धूमिल और नष्ट हो जाते हैं और सच का पता लगाना मुश्किल या नामुमकिन हो जाता है। इसलिए जांच त्वरित की जानी चाहिए।

अदालत ने इस मामले में जोधपुर सेन्ट्रल जेल के जेलर, जेल के अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक को सत्यापन पत्र जारी कर बताने को कहा है कि किन स्थिति में कैदी की मृत्यु हुई थी। इस सत्यापन पत्र की कॉपी की प्रति जोधपुर मेट्रो के जिला जज को भी भेजी जायेगी। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने न्यायिक हिरासत में मारे गये कैदी के परिजनों द्वारा दायर याचिका को स्वीकार किया और त्वरित कार्रवाई के आदेश दिये।

अंकिता भंडारी केस की जांच सीबीआई करेगी

उत्तराखंड सरकार ने मामला सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है

देहरादून, 09 जनवरी। उत्तराखंड के पौड़ी जिले मे एक रिसॉर्ट की कर्मचारी अंकिता भंडारी की मौत और दोषियों को आजीवन कारावास की सजा घोषित होने के बाद, मामले में किसी वीआईपी के शामिल होने से संबंधित दावों तथा लगातार चल रहे प्रदर्शनों के मद्देनजर शुक्रवार को राज्य सरकार ने इस प्रकरण की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का फैसला किया और कहा कि इसके लिए संस्तुति की जा रही है।

प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किये जा रहे थे। विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने इस

- **ज्ञातव्य है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने को लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में धरना प्रदर्शन चल रहा है।**

मांग को लेकर 11 जनवरी को उत्तराखंड बन्द का आ ान किया था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि इस मामले में सरकार का उद्देश्य शुरू से अंत तक निष्पक्ष, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से न्याय सुनिश्चित करना रहा है और आगे भी रहेगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल (एस.आई.टी.) का गठन किया गया।

आरोप है कि रिसॉर्ट में अंकित भंडारी पर विशेष सेवा देने के लिए दवाब डाला गया था और इससे मना करने पर उसकी हत्या कर दी गयी थी। निचली अदालत ने इस मामले में रिसॉर्ट के मालिक समेत तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनायी थी। हाल ही में एक ऑडियो क्लिप में इस प्रकरण में किसी वीआईपी के भी शामिल होने की बात कही गयी है, जिसके बाद मामले की जांच सीबीआई से कराने को लेकर धरना प्रदर्शन का सिलसिला शुरू हुआ।

राजकोट में भूकंप के झटके

भूकंप के झटकों के कारण प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी कर दी

राजको, 09 जनवरी। गुजरात के राजकोट जिले के जेतपुर, धोराजी, उपलेटा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गये। यहां एक के बाद एक, भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। यहां एक के बाद एक, भूकंप के करीब 7 झटके महसूस किए गए। बार-बार आ रहे भूकंपीय झटकों के चलते स्थानीय अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है।

इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरे लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

आईएसआर रिपोर्ट के अनुसार,

- **पहला झटका सुबह 6.19 पर आया उसके बाद 8.34 तक 7 झटके आए सभी की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.3 से 3.8 नापी गई।**

इन सभी भूकंपों का केन्द्र मुख्य रूप से उपलेटा से 27 से 30 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व (ईएनई) दिशा में दर्ज किया गया। भूकंप की गहराई जमीन से 6.1 किलोमीटर से 13.6 किलोमीटर के बीच थी। इससे पहले, कल रात 8:43 बजे इसी क्षेत्र में 3.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था।

लगातार आ रहे भूकंप के झटकों के कारण, जेतपुर, धोराजी और उपलेटा पंथकों के ग्रामीण इलाकों में लोग खुद को सुरक्षित करने के लिए घरों में रहने के बजाय सड़कों और खेतों में निकल आए। हालांकि, राहत की बात यह है कि इससे अब तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

'कार्यकर्ता एनसीपी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सभी तनाव समाप्त हो गए हैं।''

एनसीपी की स्थापना शरद पवार ने की थी। दो साल पहले जब उनके भतीजे अजित पवार ने विद्रोह किया था, तब पार्टी विभाजित हो गई थी। इसके बाद अजित पवार एनडीए में शामिल हो गए और उपमुख्यमंत्री बने।

अजित पवार को पार्टी का मूल नाम और मूल निशान ''घड़ी'' मिला, जबकि शरद पवार के गुट को नया नाम, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और नया निशान, ''ट्रम्पैट'' मिला।

दोनों गुटों ने पिंपरी-चिंचवड़ नगरपालिका चुनाव के लिए एकजुट होने का निर्णय लिया है।

लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले, शरद पवार की बेटी और अजित पवार की चचेरी बहन, ने भी पुष्टि की कि एनसीपी के दोनों गुट पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग पर पिंपरी-चिंचवड़ चुनाव के लिए एकजुट हुए हैं।

उन्होंने कहा कि ''ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि यह गठबंधन अजित पवार के साथ जारी रहेगा या नहीं।''

सुले ने महाराष्ट्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार में एनसीपी (शरद पवार) के शामिल होने और उनके मंत्री बनने की अफवाहों को भी खारिज किया और कहा, ''जो लोग इस तरह की अफवाहों से खुश हैं, उन्हें ही यह बात करने दो।''

दिल्ली में सब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोहरे और कम विजिबिलिटी को ध्यान में रखकर छात्रों की सुरक्षा के लिए लागू की गई हैं।

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान 5-8 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है, जिससे सुबह के समय घना कोहरा छाया रहता है। इससे बच्चों का स्कूल जाना जोखिम भरा हो गया था। आईएमडी ने भी शीत लहर और कोहरे की चेतावनी जारी की है, जिसके चलते यात्रा प्रभावित हो रही है। कक्षा 9 से 12 के छात्रों के लिए कुछ स्कूल ऑनलाइन क्लासेस या अतिरिक्त पढ़ाई का विकल्प चुन सकते हैं, लेकिन छोटे बच्चों (प्राइमरी और मिडिल) के लिए स्कूल पूरी तरह बंद रहेंगे।

आतंकवाद पर पाकिस्तान का रुख बदलने तक निलम्बित रहेगी सिंधु जल संधि

विदेश मंत्रालय ने यह टिप्पणी करते हुए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया

नयी दिल्ली, 09 जनवरी।) भारत ने पाकिस्तान की सिंधु जल संधि को भारत के लिए बाध्यकारी बताने की टिप्पणी को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि यह संधि निलंबित है और सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के रूख में बदलाव नहीं होने तक निलंबित ही रहेगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा ,'' सिंधु जल संधि पर भारत अपनी स्थिति कई बार स्पष्ट कर चुका है। यह संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी, जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद की गतिविधियों को बंद नहीं कर देता।''

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने

- **पाकिस्तान का कहना है कि सिंधु जल संधि बाध्यकारी है और वह भारत द्वारा चिनाब व झेलम पर किए जाने वाले निर्माण को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाएगा।**

कहा है कि सिंधु जल संधि भारत के लिए बाध्यकारी है और वह चिनाब तथा झेलम नदी पर भारत की विकास परियोजनाओं के मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठायेगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने कड़ा कदम उठाते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत ने कहा है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकता। भारत ने स्पष्ट कहा है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता, तब तक यह संधि स्थगित ही रहेगी। राजधानी दिल्ली में तुर्कमान गेट क्षेत्र में अवैध कब्जे को हटाये जाने के बारे में पाकिस्तान की टिप्पणी से संबंधित सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा कि पहले पाकिस्तान को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि वह अल्पसंख्यकों के साथ खुद किस तरह का व्यवहार कर रहा है।

गौरतलब है कि अवैध कब्जे को हटाये जाने के मुद्दे पर पाकिस्तान ने टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया था कि भारत में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया जा रहा है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलग-अलग शहरों में क्यों गई। इसका विरोध करते हुए पीड़िता के वकील दिवेश शर्मा ने कहा कि पुलिस जांच में साबित है कि दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होती थी। इसके अलावा, पीड़िता की ओर से बताए होटलों में दोनों के ठहरने का रिकॉर्ड भी मिला है। आरोपी ने मई माह में आईपीएल मैच के दौरान पीड़िता को होटल में मिलने बुलाया था और उसके साथ संबंध बनाए थे। इस दौरान पीड़िता के मना करने पर उसने उसे क्रिकेट में करियर बनाने में सहायता करने और पिता के केस में आर्थिक मदद की बात कही थी। इसके अलावा, घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी तो उसकी सहमति भी कोई मायने नहीं रखती है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने प्रकरण के जांच अधिकारी को पेश होने के आदेश दिए हैं।

क्या केन्द्र सरकार हिम्मत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत में लागू होने वाले सामान्य कानून मुख्यमंत्री की मर्जी से निलंबित हो जाते हैं। अब यह चुनावी साल में केन्द्र सरकार और ममता बनर्जी के बीच सियासी खींचतान जैसा लग रहा है। ई.डी. के अधिकारियों को, उचित कानूनी आदेशों के बावजूद, अपना सामान्य काम करने से रोकना, अवैध खनन से जुड़े अहम सबूत चुराना और पैसों को हवाला के जरिए घुमाना, ये सभी काम कानून के तहत स्पष्ट अपराध हैं। अब देखना होगा कि क्या ममता बनर्जी अपने हंगामे जारी रखकर जीत हासिल करती हैं या केन्द्र सरकार में उनके खिलाफ कल किए गए अपराधों पर कार्रवाई करने का साहस है। इस संघर्ष का राजनीतिक असर पड़ना तय है। केन्द्र को उनके हर दबाव और धमकी के सामने अपनी दृढ़ता दिखानी चाहिए।

कल ई.डी. कोलकाता में आई-पैक कंसल्टेंसी के दफ्तर में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई कर रहा था। तभी पहले डिप्टी कमिश्नर और फिर कोलकाता के पुलिस कमिश्नर ने ई.डी. अधिकारियों को डराने-धमकाने की कोशिश की।

जब ई.डी. अधिकारी अपने पहचान पत्र और वारंट दिखा रहे थे, तभी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और उन्होंने खुद आई-पैक कार्यालय से सभी जरूरी कागजात, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कंप्यूटर जब्त कर लिए और उन्हें अपने साथ ले गईं।

आश्चर्य नहीं कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस कार्रवाई को प्रवर्तन निदेशालय की जांच से जुड़े सबूत और आपत्तिजनक सामग्री की खुली चोरी बताया। यह धन शोधन निवारण अधिनियम (पी.एम.एल.ए.) के तहत एक गंभीर अपराध है। इस काम की गंभीरता को जानते हुए और अपनी गलती छिपाने के लिए ममता ने, हमेशा की तरह, राजनीतिक ढाल का सहारा लिया। ममता बनर्जी ने कोलकाता में सड़क पर रैलियां निकालीं और आरोप लगाया कि ई.डी. उनकी पार्टी की चुनावी रणनीति से जुड़ी एक कंसल्टेंसी फर्म से सामग्री उठा ले गया है। इसके बाद ई.डी. ने कोलकाता हाईकोर्ट से राहत मांगने की कोशिश की। लेकिन ममता बनर्जी के साथियों ने अदालत कक्ष को इस तरह जाम कर दिया कि ई.डी. के वकील भी वहां पहुंच नहीं सके। मजबूर होकर जज ने ई.डी. की याचिका पर सुनवाई टाल दी और नई तारीख तय कर दी।

'वर्ष 2025 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने में असहज थे, इसलिए मोदी ने फोन नहीं किया।'' लटनिक ने यह भी कहा कि भारत समय-सीमा पूरी नहीं कर पाया, जिसके चलते अमेरिका ने इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम सहित, कई एशियाई देशों के साथ व्यापार समझौते आगे बढ़ा दिए।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने आगे कहा कि इन एशियाई देशों के साथ हुए व्यापार समझौते ज्यादा ऊंची दरों पर किए गए, क्योंकि अमेरिका को उम्मीद थी कि भारत के साथ समझौता जल्दी पूरा हो जाएगा। लटनिक ने कहा, ''जब भारत ने बाद में, समय-सीमा खत्म होने के करीब तीन हफ्ते बाद, अमेरिका से संपर्क किया, तो उसे बताया गया कि यह मौका अब खत्म हो चुका है।'' अगस्त 2025 से भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया जा रहा है। अमेरिकी सरकार एक ऐसे विधेयक को पारित करने की प्रक्रिया में है, जो चीन और भारत जैसे उन देशों पर, जो रूस से तेल आयात करते हैं, 500 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की अनुमति देगा।

प्रियंका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पूरी तरह से युद्धस्तरीय तैयारी करनी होगी, और सुनिश्चित करना होगा कि कोई कमी न छूट जाए।

प्रियंका ने सचिन पायलट को केरल के लिए मुख्य पर्यवेक्षक नियुक्त किया है, जहां कांग्रेस पार्टी भारी आंतरिक कलह से जूझते हुए वापसी की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, वहाँ के.सी. वेणुगोपाल की बड़ी मौजूदगी भी है, जो कांग्रेस में सत्ता को नियंत्रित करते हैं।

प्रियंका को वेणुगोपाल की कार्यशैली ज्यादा पसंद नहीं है। वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि पार्टी वेणुगोपाल की दादागिरी के कारण हार न जाए। इसीलिए सचिन पायलट को भेजा गया है, ताकि प्रियंका को फीडबैक मिल सके और केरल में कांग्रेस नेताओं के बीच बराबरी का माहौल बने।

राजस्थान में, वेणुगोपाल अशोक गहलोत, डोटासरा, और रंधावा का समर्थन कर रहे हैं, और वे सचिन पायलट के साथ नहीं हैं। यही कारण है कि राजस्थान में संघर्ष और दिलचस्प हो गया है।

अगर कांग्रेस असम में जीत जाती है, तो प्रियंका के लिए यह एक बड़ी सफलता होगी, जिससे कांग्रेस की राजनीति और भी रोमांचक हो जाएगी।

अमेरिका वेनेज़ुएला में 9000 अरब रुपए का निवेश करेगा

वॉशिंगटन, 09 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वेनेज़ुएला पर अब और हमले नहीं किये जायेंगे और अमेरिका वहां 100 अरब डॉलर (करीब 9000 अरब रुपये) का निवेश करेगा।

वाइट हाउस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हवाले से कहा गया है कि वह वेनेज़ुएला में निवेश के लिए तेल कंपनियों के समूह से मुलाकात करेंगे।

उन्होंने लिखा है, ''वेनेज़ुएला शांति की तलाश के संकेत के तौर पर बड़ी संख्या में राजनीतिक कैदियों को रिहा कर रहा है। यह एक बहुत ही जरूरी और शानदार कदम है। इस सहयोग की वजह से पहले से उम्मीद की जा रही हमलों की दूसरी लहर को मैंने रद्द कर दिया है। इसकी जरूरत नहीं लगती। सुरक्षा के लिहाज से हालांकि सभी जहाज अपनी जगह पर रहेंगे।'' इतना ही नहीं अमेरिका ने वेनेज़ुएला के साथ बदलते रिश्तों के भी संकेत दिये हैं और यह भी लिखा है कि अमेरिका वहां बड़ा निवेश करने वाला है। इसके लिए वह तेल कंपनियों के समूह ''बिग ऑयल'' से मिलेंगे। ट्रम्प ने लिखा, ''अमेरिका और वेनेज़ुएला एक साथ मिलकर अच्छा काम कर रहे हैं, खासकर जब बात अपने तेल और गैस के संरचनात्मक ढ ांचे को ज्यादा बड़े, बेहतर और ज्यादा आधुनिक तरीके से फिर से बनाने की हो।

- **अमेरिका ने यह भी कहा कि अब वेनेज़ुएला पर हमला नहीं किया जाएगा**
- **वाइट हाउस के अधिकारिक एक्स हैंडल पर ट्रंप के हवाले से कहा गया कि वे वेनेज़ुएला में निवेश के लिए तेल कंपनियों से बात करेंगे।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

FIXED PRICE

अब रिफाइंड शुगर को बोलो बाय बाय

• जंगली भिंडी (अबेल्मास्कुस मानीहाट) के रस से प्रोसेस किया हुआ जैविक गुड़
• No Additives • No Bleaching • 100% केमिकल फ्री प्रोसेसिंग
• गन्ने के रस से देशी तरीके से बना • कास्टिक सोडा रहित

देशी गुड़ देशी गुड़ पाउडर

• शरबती सुपीरियर आटा
• देशी चक्की आटा
• सूजी
• दलिया
• बेसन
• शरबती गेहूँ
• देशी गेहूँ
• प्लैटिनम शरबती राइस
• एलीट बासमती राइस
• पोहा
• लाकाडोंग हल्दी पाउडर
• मिर्च पाउडर
• धनिया पाउडर
• धनिया (साबुत)
• जीरा
• सौंफ
• चना दाल
• मूंग दाल (छिलका)
• मूंग दाल
• अरहर/तूर दाल
• उड़द दाल (छिलका)
• उड़द दाल
• मसूर मलका
• मसूर दाल
• काला चना
• काबुली चना
• हरा चना
• हरा मटर
• मोठ
• हरा मूंग
• राजमा चित्रा
• राजमा लाल
• राजमा कश्मीरी
• कैलिफोर्निया बादाम
• काजू
• पिस्ता
• किशमिश
• अखरोट
• मामरा बादाम
• देशी गुड़
• देशी गुड़ पाउडर

KEDIA™ Pavitra

COMING SOON
• कच्ची घानी सरसों का तेल
• ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
• मखाना
• खजूर
• अंजीर
• मूंगफली
• लौंग
• इलायची
• काली मिर्च
• दालचीनी
• अजवाइन
• राई
• मेथी दाना
• कसूरी मेथी
• हींग
• अमचूर पाउडर
• मिश्री धागा
• मिश्री पाउडर
• चाय और भी बहुत कुछ

रिटेलर हो या कस्टमर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP

AVAILABLE AT
32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM
WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.